

देवरा में जनविश्वास अभियान के तहत लगा जनसंवाद शिविर

राज्यमंत्री और कलेक्टर ने ग्रामीणों से किया सीधा संवाद, सुनी समस्याएं; अधिकारियों को समय-सीमा में निराकरण के निर्देश

सिंगरौली। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत जनपद पंचायत चितरंगी की ग्राम पंचायत देवरा में जनसंवाद एवं समस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री श्रीमती राधा सिंह, जनपद अध्यक्ष श्रीमती सिया दुलारी, कलेक्टर गौरव बैनल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संचप्रिय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और प्राप्त आवेदनों के त्वरित एवं समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए।

राज्यमंत्री राधा सिंह ने कहा कि जनविश्वास अभियान शासन



और जनता के बीच संवाद को मजबूत करने की महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिविर में प्राप्त प्रत्येक आवेदन को गंभीरता और संवेदनशीलता से लेते हुए नियमानुसार शीघ्र निराकरण किया जाए, ताकि ग्रामीणों को अपनी समस्याओं के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। कलेक्टर

निराकरण की प्रभावी निगरानी के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने बच्चों की शिक्षा को लेकर अभिभावकों से संवाद करते हुए नियमित विद्यालय भेजने और पढ़ाई पर ध्यान देने का आग्रह किया। वहीं ग्रामीणों ने मझरे-टोलों को पेयजल योजना में शामिल करने की मांग रखी। कलेक्टर ने कहा कि छूटे हुए मझरे-टोलों को योजना में शामिल किया जाएगा तथा नवंबर अंत तक प्रत्येक घर में नल कनेक्शन से पेयजल पहुंचाने के लक्ष्य पर कार्य किया जा रहा है। शिविर में एसडीएम देवेंद्र द्विवेदी, जनपद सीईओ मान सिंह सैयाम सहित शिक्षा, स्वास्थ्य, खाद्य, खनिज, विद्युत एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

गणपति बप्पा को भावपूर्ण विदाई, जिले की 81 प्रतिमाओं का शांतिपूर्ण विसर्जन

सिंगरौली। अनंत चतुर्दशी पर शनिवार को जिलेभर में श्रद्धा और उल्लास के बीच भगवान श्री गणेश को भावपूर्ण विदाई दी गई। विसर्जन स्थलों पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी और 'गणपति बप्पा मोरया' के जयघोष से वातावरण भक्तिमय हो गया। जिले में स्थापित सभी 81 गणेश प्रतिमाओं का शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित तरीके से विसर्जन संपन्न हुआ। विसर्जन को लेकर पुलिस ने पहले से व्यापक सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था की थी। पुलिस अधीक्षक पियाज केएम एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सर्वप्रिय सिन्हा ने प्रमुख



विसर्जन स्थलों का निरीक्षण कर बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, यातायात, भीड़ नियंत्रण और जल सुरक्षा की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। राजपत्रित अधिकारियों, थाना एवं चौकी प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए गए थे। विसर्जन के दौरान पुलिस अधीक्षक समेत पुलिस अधिकारी मौके पर मौजूद रहे और

व्यवस्थाओं की लगातार मॉनिटरिंग की। पुलिस बल ने विसर्जन स्थलों, प्रमुख मार्गों और संवेदनशील स्थानों पर निगरानी रखी। सोशल मीडिया पर भी विशेष नजर रखी गई, ताकि अफवाह या भ्रमक सूचना का प्रसार न हो। पुलिस की मुस्तैदी और श्रद्धालुओं के सहयोग से जिले में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन निर्विघ्न संपन्न हुआ। एसपी पियाज केएम ने शांतिपूर्ण आयोजन में सहयोग के लिए सिंगरौलीवासियों, श्रद्धालुओं, गणेश उत्सव समितियों, प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिसकर्मियों का आभार जताया।

चार घंटे में खुली सूने मकान में चोरी की वारदात, छह लाख के जेवर बरामद

दो विधि-विरुद्ध बालक दस्तयाब, एक अन्य की तलाश जारी; उज्जैन गया था परिवार, पीछे से चोरों ने घर में लगाई सेंध

सिंगरौली। नवानगर थाना क्षेत्र में सूने मकान में हुई चोरी की वारदात का पुलिस ने अपराध दर्ज होने के महज चार घंटे में खुलासा कर दिया। पुलिस ने दो विधि-विरुद्ध बालकों को दस्तयाब कर उनकी निशानदेही पर चोरी गए करीब छह लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण शत-प्रतिशत बरामद कर लिए। मामले में शामिल एक अन्य विधि-विरुद्ध बालक की तलाश की जा रही है।

पुलिस के अनुसार माजन कला निमासी बृज कुमार कुशवाहा परिवार के साथ उज्जैन गए थे। इसी दौरान चोरों ने सूने मकान को

निशाना बनाया। वापस लौटने पर घर का दरवाजा खुला मिला। अंदर जाकर देखा तो अलमारी और श्रृंगारदानी के लॉकर टूटे हुए थे। जांच करने पर सोने-चांदी के आभूषण और नकदी गायब मिली। फरियादी की रिपोर्ट पर नवानगर थाने में अपराध क्रमांक 256/2026

के तहत बीएनएस की धारा 331(4), 305(ए) में मामला दर्ज किया गया। घटना के बाद थाना प्रभारी राकेश साहू के नेतृत्व में पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। साथ ही संदिग्धों से पूछताछ करने के साथ मुखबिर तंत्र

देवरा में घर-घर नल से मिल रहे पानी की कलेक्टर ने परखी गुणवत्ता

नवम्बर अंत तक शेष कार्य पूरा कर हर परिवार को नल कनेक्शन देने के निर्देश, ग्रामीणों से जल का सदुपयोग और नियमित शुल्क भुगतान की अपील



से शुद्ध पेयजल मिलने पर संतोष जताया। कलेक्टर ने कहा कि नियमित नल जलापूर्ति से ग्रामीण परिवारों को पेयजल के लिए होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी। उन्होंने ग्रामीणों से पानी का विवेकपूर्ण उपयोग करने और निर्धारित जल शुल्क का नियमित भुगतान करने की अपील की, ताकि जल प्रदाय व्यवस्था निरंतर सुचारु बनी रहे। कलेक्टर ने जल निगम के महाप्रबंधक पंकज वाधवानी को निर्देश दिए कि पेयजल की गुणवत्ता की नियमित

जांच कराई जाए। ग्राम पानी समितियों की बैठकें आयोजित कर ग्रामीणों को योजना की जानकारी देने और पेयजल से जुड़ी श्रांतियों को दूर करने के लिए जागरूकता गतिविधियां संचालित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने ग्राम पंचायत स्तर पर पानी समितियों के पुनर्गठन तथा आईईसी श्रांतिविधियों के माध्यम से ग्रामीणों को जल संरक्षण, सदुपयोग और शुल्क भुगतान के प्रति जागरूक करने को कहा। साथ ही योजना से अब तक वंचित मजरों-टोलों का सर्वे कर पात्र परिवारों को जोड़ने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बैदैन समूह-2 जल प्रदाय योजना के सभी शेष कार्य नवम्बर माह के अंत तक पूरा करने तथा प्रत्येक पात्र ग्रामीण परिवार को नल कनेक्शन से शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने जल गुणवत्ता की सतत निगरानी सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया।

आंगन सेवा मिलन में पहुंचे सांसद, हितग्राहियों से किया संवाद और किया पौधरोपण

सिंगरौली। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत कथुआ के रेही स्थित आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक-2 में आयोजित आंगन सेवा मिलन कार्यक्रम में सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान सांसद ने केंद्र एवं प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद कर उन्हें मिल रहे लाभ और उनके अनुभवों की जानकारी ली। उन्होंने योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने और उनकी आवश्यकताओं को समझने पर भी चर्चा की। इस अवसर पर गर्भवती माता की गोद भराई की रस्म में शामिल होकर सांसद ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। वहीं आंगनवाड़ी केंद्र में उपस्थित नन्हे-मुन्हे बच्चों को मिठाई वितरित कर उनके साथ आत्मीय समय बिताया। कार्यक्रम के अंत में पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली का संदेश देते हुए सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने पौधरोपण भी किया। उन्होंने कहा कि जनसेवा के साथ पर्यावरण और समाज के प्रति जिम्मेदारी का भाव भी आवश्यक है।

सभी पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ समय पर मिले: विश्वामित्र

सिंगरौली। विधानसभा क्षेत्र सिहावल अंतर्गत ग्राम पंचायत कड़ियार में सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत मुख्यमंत्री जन विश्वास सह सेवा सेतु अभियान कार्यक्रम विश्वामित्र पाठक विधायक विधानसभा क्षेत्र सिहावल के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में सर्व प्रथम मां वीणा वादिनि की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन कर विधिवत शुरुआत हुई तपश्चक्रात स्वागत गीत की प्रस्तुति दी गई कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विश्वामित्र पाठक ने अपने उद्बोधन में कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस से प्रारंभ सेवा संकल्प अभियान के तहत आज आपके कड़ियार में जन विश्वास सह सेवा सेतु अभियान का आयोजन किया जा रहा है।

जन विश्वास शिविर में नुकड़ नाटक से दिया जागरूकता का संदेश

सिंगरौली। जन विश्वास अभियान के तहत जनपद पंचायत चितरंगी की ग्राम पंचायत देवरा में आयोजित जन विश्वास शिविर में 'नमो अनकही कहानियां' नुकड़ नाटक का प्रभावशाली मंचन किया गया। कलाकारों ने संवाद, अभिनय और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से सामाजिक सरोकारों से जुड़े विभिन्न विषयों को सरल एवं रोचक अंदाज में प्रस्तुत कर ग्रामीणों को जागरूकता का संदेश दिया। नुकड़ नाटक के माध्यम से सामाजिक समरसता, आपसी सहयोग, जिम्मेदार नागरिक व्यवहार तथा समाज के विकास में जनभागीदारी की भूमिका को रेखांकित किया गया। कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियों के जरिए बताया कि सकारात्मक बदलाव केवल सरकारी



प्रयासों से नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सक्रिय सहभागिता से संभव है। मनोरंजक शैली में प्रस्तुत किए गए संदेशों ने शिविर में मौजूद ग्रामीणों का ध्यान आकर्षित किया और उन्होंने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान कलाकारों ने सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति सजग रहने तथा सामूहिक प्रयासों से गांव के विकास को गति देने का संदेश दिया। नुकड़ नाटक को ग्रामीण परिवेश के अनुरूप सरल भाषा और प्रभावी संवादों के साथ प्रस्तुत किया

गया, जिससे जागरूकता के संदेश सहजता से लोगों तक पहुंचे। कार्यक्रम में राज्यमंत्री पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग श्रीमती राधा सिंह, जनपद अध्यक्ष चितरंगी श्रीमती सिया दुलारी, कलेक्टर गौरव बैनल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत संचप्रिय, एसडीएम चितरंगी देवेंद्र द्विवेदी, सीईओ जनपद पंचायत मान सिंह सैयाम, जिला शिक्षा अधिकारी कविता त्रिपाठी, उपायुक्त सहकारिता पीके मिश्रा, जिला आपूर्ति अधिकारी पीसी चन्द्रवंशी, उप संचालक खनिज आकांक्षा पटेल, सीएमएचओ डॉ. पुष्पराज सिंह, अधीक्षण अभियंता विद्युत अजीत सिंह बघेल सहित जिला एवं खंड स्तर के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

बच्चों से संवाद कर कलेक्टर ने परखी सीखने की क्षमता

जन विश्वास अभियान के तहत देवरा स्कूल का निरीक्षण, नियमित उपस्थिति और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर दिया जोर

सिंगरौली। जन विश्वास अभियान के तहत कलेक्टर गौरव बैनल ने विकासखंड चितरंगी अंतर्गत शासकीय पूर्व माध्यमिक विद्यालय देवरा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, विद्यार्थियों की उपस्थिति, पेयजल तथा मध्याह्न भोजन व्यवस्था का जायजा लिया। कलेक्टर ने प्राचार्य एवं शिक्षकों से विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति और पठन-पाठन की स्थिति की जानकारी लेते हुए आवश्यक निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद



विद्यार्थियों की उपस्थिति प्रभावित नहीं होनी चाहिए। शिक्षकों को बच्चों और उनके अभिभावकों से निरंतर संवाद कर उन्हें नियमित रूप से विद्यालय आने के लिए

विद्यालय में उपस्थित रहकर पूरी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता के साथ पठन-पाठन कराएं। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने कक्षा में पहुंचकर विद्यार्थियों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने मौसम के अनुसार उगाई जाने वाली फसलों, सब्जियों सहित विभिन्न विषयों से जुड़े सवाल पूछकर बच्चों की समझ और सीखने की क्षमता परखी। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित विद्यालय आने, मन लगाकर पढ़ाई करने तथा शिक्षा को दैनिक जीवन से जोड़कर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर ने विद्यालय में उपलब्ध

पेयजल व्यवस्था का निरीक्षण किया। साथ ही मध्याह्न भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता भी परखी। उन्होंने निर्देश दिए कि निर्धारित मेन्यू के अनुसार बच्चों को पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाए। भोजन की स्वच्छता और गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विद्यालय में पठन-पाठन सर्वोच्च प्राथमिकता है और शैक्षणिक कार्य में लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी संचप्रिय उपस्थित रहे।

ऑपरेशन प्रहार के तहत दो वाहन जब्त, 11.48 लाख रुपये राजस्व वसूला

सिंगरौली। जिला कलेक्टर गौरव बैनल के निर्देश और जिला परिवहन अधिकारी के मार्गदर्शन में परिवहन विभाग ने वाहनों की जांच को लेकर ऑपरेशन प्रहार तेज कर दिया है। जौरो टॉलरेंस नीति के तहत मालवाहक और यात्री वाहनों की लगातार जांच की जा रही है। अभियान के दौरान अनियमितता पाए जाने पर वाहन क्रमांक आरजे 14 जीक्यू 3498 और बीआर 02 जीडी 7542 को जब्त कर सुरक्षार्थ थाना मोरवा में खड़ा कराया गया। खनिज राजस्व एवं परिवहन विभाग की संयुक्त कार्रवाई में प्रदूषण मानकों का उल्लंघन कर संचालित कोयला और फ्लाई ऐश



(राखड़) वाहनों की भी जांच की जा रही है। निचमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए शासकीय राजस्व की वसूली की जा रही है। अतिवृष्टि और कम दृश्यता की स्थिति को देखते हुए आरटीओ चेक पॉइंट सिंगरौली की ओर से मालवाहक एवं यात्री वाहनों पर रेडियम रिफ्लेक्टर

लगाए जा रहे हैं। समाजसेवियों के सहयोग से सड़क किनारे मौजूद आवारा पशुओं पर भी रेडियम रिफ्लेक्टर लगाए जा रहे हैं, ताकि रात और कम दृश्यता के दौरान वाहन चालकों को पशु स्पष्ट दिखाई दें और दुर्घटनाओं की आशंका कम हो। परिवहन विभाग ने वाहन चालकों से नशे में वाहन न चलाने, बारिश के दौरान नियंत्रित गति बनाए रखने और सड़क पर विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। विभाग ने कहा कि जांच के दौरान अनावश्यक विवाद, शासकीय कार्य में बाधा, कर्मचारियों से अभद्रता या ब्लैकमेलिंग जैसी गतिविधियां बर्दाश्त नहीं की जाएंगी।

वन अपराधों के प्रभावी निराकरण के लिए वन अधिकारियों-कर्मचारियों का एक दिवसीय प्रशिक्षण

अवैध कटाई, अतिक्रमण, खनन एवं वन्यजीव अपराधों में साक्ष्य संकलन और प्रकरण प्रस्तुत करने की दी गई जानकारी

सीधी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी के अध्यक्ष एवं प्रधान जिला न्यायाधीश प्रयाग लाल दिनकर के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय परिसर स्थित एडीआर सेंटर भवन में वन विभाग के क्षेत्रीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान जिला न्यायाधीश प्रयाग लाल दिनकर, न्यायिक अधिकारियों, वन मंडलाधिकारी एवं वन परिक्षेत्र अधिकारियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया।

प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य विभिन्न वन अपराधों के प्रकरण तैयार करने, उनकी विवेचना करने तथा न्यायालय में प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने की प्रक्रिया की बारीकियों से वन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों को अवगत कराना रहा। इसमें अवैध कटाई, अवैध परिवहन, अवैध कब्जा एवं अतिक्रमण, अवैध खनन तथा वन्यजीवों के शिकार

एवं उनके अंगों के अवैध व्यापार से संबंधित प्रकरणों पर जानकारी दी गई। प्रधान जिला न्यायाधीश प्रयाग लाल दिनकर ने कहा कि वन अपराधों के प्रकरणों में छोटी-छोटी तकनीकी त्रुटियों के कारण अभियुक्तों को लाभ मिल सकता है। इसलिए प्रथम सूचना रिपोर्ट से लेकर जसी पत्रक, प्रचानामा, नजरी नक्शा तथा संबंधित धाराओं का सही उल्लेख अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने वन्यजीव अपराधों में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों का विशेष ध्यान रखने पर जोर दिया। प्रशिक्षण के दौरान न्यायिक

जिला न्यायाधीश मनीष कुमार श्रीवास्तव, प्रथम जिला न्यायाधीश राकेश कुमार सोनी, तृतीय जिला न्यायाधीश रवीन्द्र कुमार शर्मा, प्रथम जिला न्यायाधीश सीधी के न्यायालय के तृतीय अतिरिक्त जिला न्यायाधीश राकेश जमरा, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट विनोद कुमार वर्मा, न्यायिक मजिस्ट्रेट सरिता चौधरी, सोनू जैन, अपिता त्रिपाठी, धीरज आर्य, आकर्ष मिश्रा, जिला विधिक सहायता अधिकारी मनीष कौशिक, प्रीती अहिरवार वन मंडल अधिकारी, संदीप गौतम उप वन मंडल अधिकारी, बादशाह रावत उप वन मंडल अधिकारी मझौली, जिला अभियोजन अधिकारी, रामराज सिंह सहायक जिला अभियोजन अधिकारी सहित वन परिक्षेत्र अधिकारी, वन रक्षक, वनपाल, वन विभाग के कर्मचारी एवं अभियोजन स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ।



संपादकीय

विकास की रफ्तार में सुरक्षा पीछे क्यों? एक्सप्रेस-वे पर बढ़ते ह्रादसे चिंता का विषय

विडंबना यह है कि पिछले कुछ वर्षों से एक्सप्रेस-वे को विकास के पर्याय के रूप में तो पेश किया जा रहा है, लेकिन उन पर सफर लगातार असुरक्षित होता गया है। विकास के लिए अच्छी और निर्बाध सड़कें जरूरी हैं, लेकिन इससे ज्यादा अहम यह है कि उस पर सफर सुरक्षित हो। विडंबना यह है कि पिछले कुछ वर्षों से एक्सप्रेस-वे को विकास के पर्याय के रूप में तो पेश किया जा रहा है, लेकिन उन पर सफर लगातार असुरक्षित होता गया है। देश में अलग-अलग एक्सप्रेस-वे पर आए दिन होने वाले हादसे यह बताने के लिए काफी हैं कि एक ओर प्रबंधन के स्तर पर घोर लापरवाही बरती जा रही है, तो दूसरी ओर बेलगाम तरीके से वाहन चलाने वाले भी सतकता बरतना जरूरी नहीं समझते। गौरतलब है कि ग्रेटर नोएडा में यमुना एक्सप्रेस-वे पर दिल्ली से महोबा जा रही एक बस में बुधवार रात आग लगने की वजह से नौ लोगों की जलकर मौत हो गई, जबकि बीस लोगों को किसी तरह बचाया जा सका। हैरानी की बात है कि जब बस में आग लगने की आशंका को लेकर यात्रियों ने चालक- परिचालक को सचेत किया और शोर मचाया, तो उन्होंने लापरवाही से उसे खारिज कर दिया। इसके बाद बस में आग लग गई और चालक-परिचालक भाग निकले। इस हादसे के संदर्भ में देखें, तो बहुस्तरीय लापरवाही का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि हादसे का शिकार हुई बस मध्य प्रदेश से संचालित थी, जिसका पंजीकरण बिहार में हुआ था, जबकि फिटनेस प्रमाणपत्र राजस्थान और प्रदूषण प्रमाण पत्र हरियाणा से जारी किया गया था। आखिर ऐसा कैसे संभव हुआ कि अब तक यह बस इस तरह के दस्तावेजों के साथ सड़क पर दौड़ रही थी, मगर उसे रोकने-टोकने वाला कोई नहीं था? साफ है, एक ओर यह दुर्घटना सड़क यातायात प्रबंधन में प्रशासन के स्तर पर बरती जाने वाली आम लापरवाही का नतीजा है, वहीं सफ़ि बेहिबाब मुनाफे के लिए बसों के संचालक भी यात्रियों की जान की परवाह नहीं करते हैं। खबरों के मुताबिक, नोएडा पुलिस दिल्ली पुलिस को पत्र लिख कर यह जानकारी मांगेगी कि कश्मीरी गेट से इतनी बड़ी संख्या में बसों का कथित तौर पर अवैध रूप से संचालन किस तरह हो रहा है। विचित्र यह है कि कोई बड़ा हादसा होने के बाद प्रशासन जिस पैमाने पर सक्रिय दिखता है, उतनी सक्रियता सामान्य दिनों में नहीं दिखती।

भारत 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। यह लक्ष्य केवल आर्थिक आकार बढ़ाने का लक्ष्य नहीं हो सकता। विकसित भारत का अर्थ विकसित गांव, सक्षम नागरिक, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य, सम्मानजनक रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, डिजिटल पहुंच, उद्यमिता और अवसरों की समान उपलब्धता भी है। 2026 में नीति-निर्माण में ‘समावेशी मानव विकास’ को विकसित भारत की चर्चा का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। यही कारण है कि आज अंत्योदय की आवश्यकता पहले से कम नहीं, बल्कि अधिक है। आर्थिक विकास जितना तेज होगा, उतनी ही जरूरी होगी यह सावधानी कि विकास की दौड़ में कोई पीछे न छूट जाए। तकनीक जितनी शक्तिशाली होगी, उतना ही जरूरी होगा कि डिजिटल विभाजन कम हो।

(ललित गर्ग)

भारत 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। यह लक्ष्य केवल आर्थिक आकार बढ़ाने का लक्ष्य नहीं हो सकता। विकसित भारत का अर्थ विकसित गांव, सक्षम नागरिक, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य, सम्मानजनक रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, डिजिटल पहुंच, उद्यमिता और अवसरों की समान उपलब्धता भी है।

भारत की विकास यात्रा आज ऐसे दौर में है, जब आर्थिक शक्ति, तकनीकी क्षमता, डिजिटल परिवर्तन और वैश्विक प्रभाव के नए अध्याय लिखे जा रहे हैं। 2026-27 की पहली तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.8 प्रतिशत दर्ज की गई है और देश को विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में देखा जा रहा है। लेकिन किसी राष्ट्र की वास्तविक समृद्धि केवल उसके सकल घरेलू उत्पाद, ऊंची इमारतों, आधुनिक सड़कों या वैश्विक बैंकिंग से तय नहीं होती। उसको सबसे बड़ी कसौटी यह है कि विकास की रोशनी उस व्यक्ति तक कितनी पहुंची है, जो विकास की कतार में सबसे पीछे खड़ा है। यहीं से अंत्योदय का विचार प्रासंगिक होता है। हर वर्ष 25 सितंबर को अंत्योदय दिवस मनाया जाता है। यह दिन पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती का दिन है और 25 सितंबर 2014 को भारत सरकार ने इसे अंत्योदय दिवस के रूप में घोषित किया था। इसी अवसर पर दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना को भी शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य ग्रामीण गरीब युवाओं को कौशल और रोजगार के अवसरों से जोड़ना था। इसलिए अंत्योदय दिवस केवल किसी महानुरुष की स्मृति का दिवस नहीं, बल्कि विकास की दिशा और उसकी प्राथमिकताओं पर पुनर्विचार करने का अवसर है।

‘अंत्योदय’ दो शब्दों से बना है- ‘अंत्य’ अर्थात् सबसे अंतिम और ‘उदय’ अर्थात् उत्थान। लेकिन इसका अर्थ केवल किसी गरीब व्यक्ति को सहायता देना नहीं है। अंत्योदय का व्यापक अर्थ है-ऐसी व्यवस्था का निर्माण जिसमें कोई व्यक्ति अवसरों से वंचित न रहे, कोई परिवार बुनियादी सुविधाओं के अभाव में पीछे न छूटे और विकास की प्रक्रिया का लाभ समाज के अंतिम छोर तक पहुंचे। दीनदयाल उपाध्याय के ‘एकात्म मानववाद’ में मनुष्य केवल आर्थिक उत्पादन की इकाई नहीं है। उसके शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा-सभी का संतुलित विकास आवश्यक है। यही अंत्योदय को महज कल्याणकारी कार्यक्रम से आगे ले

अंत्योदय- विकसित भारत की मानवीय आधारशिला



जाकर मानव-केंद्रित विकास-दर्शन बनाता है। आज प्रश्न यह नहीं है कि भारत विकास कर रहा है या नहीं। प्रश्न यह है कि भारत के विकास का लाभ किस गति से, किस गहराई से और किस अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। यही वह प्रश्न है जो अंत्योदय दिवस को 2026 में और अधिक महत्वपूर्ण बनाता है।

भारत 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। यह लक्ष्य केवल आर्थिक आकार बढ़ाने का लक्ष्य नहीं हो सकता। विकसित भारत का अर्थ विकसित गांव, सक्षम नागरिक, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य, सम्मानजनक रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, डिजिटल पहुंच, उद्यमिता और अवसरों की समान उपलब्धता भी है। 2026 में नीति-निर्माण में ‘समावेशी मानव विकास’ को विकसित भारत की चर्चा का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। यही कारण है कि आज अंत्योदय की आवश्यकता पहले से कम नहीं, बल्कि अधिक है। आर्थिक विकास जितना तेज होगा, उतनी ही जरूरी होगी यह सावधानी कि विकास की दौड़ में कोई पीछे न छूट जाए। तकनीक जितनी शक्तिशाली होगी,

उतना ही जरूरी होगा कि डिजिटल विभाजन कम हो। नए रोजगार जितने पैदा होंगे, उतनी ही आवश्यकता होगी कि गरीब और ग्रामीण युवा उनके लिए आवश्यक कौशल प्राप्त कर सकें। भारत में अनौपचारिक क्षेत्र से जुड़े करोड़ों श्रमिकों के संदर्भ में नीति आयोग ने भी यह रेखांकित किया है कि तकनीक अपने आप समावेशी परिवर्तन नहीं ला सकती, अवसरों और सामाजिक सुरक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करना भी जरूरी है।

इस दृष्टि से अंत्योदय का नया अर्थ ‘सहायता से सशक्तिकरण’ होना चाहिए। गरीब को केवल अनुदान नहीं, अवसर मिलें। किसान को केवल राहत नहीं, बेहतर उत्पादकता और बाजार मिलें। श्रमिक को केवल रोजगार नहीं, कौशल और सामाजिक सुरक्षा मिलें। महिला को केवल कल्याणकारी योजना नहीं, शिक्षा, संपत्ति, उद्यमिता और निर्णय-क्षमता में भागीदारी मिले। ग्रामीण युवा को केवल नौकरी की तलाश में शहर की ओर जाने की मजबूरी न हो, बल्कि उसके गांव और कस्बे में ही कौशल, डिजिटल सुविधा और उद्यम का वातावरण बने। यही अंत्योदय का

आधुनिक स्वरूप हो सकता है-व्यक्ति को लाभार्थी से भागीदार बनाना। 2014 में शुरू हुई दीनदयाल अंत्योदय योजना ने ग्रामीण और शहरी गरीबों के लिए आजीविका तथा कौशल-विकास को महत्व दिया था। सरकार ने उस समय ग्रामीण एवं शहरी गरीबों के उत्थान के लिए कौशल विकास और आजीविका के अवसरों को विस्तार देने की बात कही थी। आज आवश्यकता इस सोच को और व्यापक बनाने की है। अंत्योदय को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कौशल, आवास, पोषण, वित्तीय समावेशन, डिजिटल कनेक्टिविटी और सामाजिक सुरक्षा के बीच एक समन्वित दृष्टिकोण बनाना होगा।

भारत की अर्थव्यवस्था के विस्तार के साथ यह जिम्मेदारी भी बढ़ती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2025-26 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.7 प्रतिशत रही और 2026-27 की पहली तिमाही में यह 7.8 प्रतिशत रही। भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य भी सार्वजनिक नीति और आर्थिक विमर्श में प्रमुखता से व्यक्त किया गया है, 2026 के केंद्रीय बजट पर प्रधानमंत्री की प्रतिक्रिया में भी यह लक्ष्य दोहराया गया। लेकिन आर्थिक महाशक्ति बनने की यात्रा तभी व्यापक अर्थों में सफल होगी, जब आर्थिक शक्ति का सामाजिक आधार भी उतना ही मजबूत हो।

विश्वगुरु बनने की आकांक्षा केवल विश्व को ज्ञान देने से पूरी नहीं होगी, अपने समाज के अंतिम व्यक्ति को गरिमापूर्ण जीवन देने से भी उसकी परीक्षा होगी। भारत की प्राचीन चेतना में ‘खवं भवन्तु सुखिनः’ और ‘वसुधैव कुटुम्बकः’ जैसे विचार रहे हैं। अंत्योदय इसी मानवीय परंपरा का आधुनिक सामाजिक-आर्थिक रूप माना जा सकता है। यह कहता है कि राष्ट्र की समृद्धि का अर्थ केवल कुछ लोगों की समृद्धि नहीं, बल्कि समूचे समाज की उन्नति है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की स्मृति को जीवंत रखने का सबसे सार्थक तरीका केवल उनके चित्र पर माल्याघण करना नहीं, बल्कि उनके विचार के मानवीय पक्ष को व्यवहार में उतारना है। उनका जीवन सादगी, संगठन, राहस्येवा और वैचारिक प्रतिबद्धता से जुड़ा रहा।

ट्रंप को घेरना आसान नहीं, मगर मैक्रों, पेजेशकियन, अहमद अल-शरा और सिल्वा ने ये कर दिखाया

(नीरज कुमार दुबे)

संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका को सबसे सीधी चुनौती ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन की ओर से मिली। 23 सितंबर को पेजेशकियन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक दिन पहले दिए गए कड़े बयान का जवाब देते हुए कहा कि ईरान दबाव के आगे नहीं झुकेगा। संयुक्त राष्ट्र महासभा के वार्षिक अधिवेशन में इस बार एक अनोखी तस्वीर देखने को मिली। अमेरिकी धरती न्यूयॉर्क पर खड़े होकर कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने जिस तरह अमेरिका की नीतियों को ही आड़े हाथ लिया, उससे वैश्विक राजनीति में बढ़ती बेचैनी साफ दिखाई दी। ईरान ने सीधे अमेरिका को चुनौती दी, फ्रांस ने महाशक्तियों के तकनीकी और सामरिक वर्चस्व पर सवाल उठाए, सीरिया ने गोलान पहाड़ियों पर अमेरिकी नीति को खारिज किया, जबकि ब्राजील और तुर्किये जैसे देशों ने संप्रभुता, विदेशी हस्तक्षेप और मौजूदा वैश्विक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए। संदेश साफ है कि दुनिया की अनेक सरकारें मौजूदा अंतरराष्ट्रीय संकटों के लिए अमेरिकी नीतियों और व्यापक शक्ति आधारित राजनीति को जिम्मेदार ठहराते हुए अब ज्यादा मुखर दिखाई दे रहे हैं। इस पूरे घटनाक्रम में फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों का भाषण बेहद महत्वपूर्ण रहा। 22 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन में मैक्रों ने चेतावनी दी कि दुनिया कहीं फिर से जंगल के कानून की ओर न लौट जाए। उन्होंने कहा कि



अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था उस समय कमजोर होती है जब ताकतवर देश नियमों और संस्थाओं से ऊपर खुद को समझने लगते हैं। मैक्रों ने सबसे तीखा सवाल कृत्रिम बुद्धिमत्ता के भविष्य को लेकर उठाया। उनका कहना था कि दुनिया का भविष्य केवल अमेरिका, चीन या कुछ बड़ी निजी कंपनियों के हाथों में नहीं छोड़ा जा सकता। उन्होंने तकनीकी संप्रभुता, ओपन सोर्स अत्याधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रणालियों और रक्षा, साइबर सुरक्षा तथा अंतरिक्ष क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय नियमों की आवश्यकता पर जोर दिया। यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में अमेरिकी कंपनियों का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है। राजा के मुँदे

पर भी मैक्रों ने पश्चिमी देशों की नीतियों को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने गाजा की मानवीय स्थिति को बेहद गंभीर बताते हुए मौजूदा शांति प्रयासों पर सवाल उठाया। पश्चिमी तट में बस्तियों से जुड़ी हिंसा की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि पड़ोसी देशों की संप्रभुता का उल्लंघन इजराइल के भविष्य को सुरक्षित नहीं कर सकता। यूक्रेन युद्ध को लेकर उन्होंने नागरिक और ऊर्जा ढांचे पर हमले रोकने तथा काला सागर से अनाज परिवहन की सुरक्षा के लिए दोहरी अस्थायी युद्धविराम व्यवस्था का प्रस्ताव भी रखा। लेकिन संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका को सबसे सीधी चुनौती ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन की ओर से मिली। 23

सितंबर को पेजेशकियन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक दिन पहले दिए गए कड़े बयान का जवाब देते हुए कहा कि ईरान दबाव के आगे नहीं झुकेगा। उन्होंने अमेरिका और इजराइल पर ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का आरोप लगाते हुए ईरान को आतंकवाद का दोषी नहीं, बल्कि आतंकवाद का पीड़ित बताया। पेजेशकियन ने ईरान के खिलाफ सैन्य और आर्थिक दबाव को लेकर कहा कि उनका देश घुटने नहीं टेकेगा। उन्होंने परमाणु हथियार ह्रासिल करने की इच्छा से इंकार किया, लेकिन शांतिपूर्ण परमाणु तकनीक, विशेषकर चिकित्सा और कृषि के लिए, इन पर किसी तरह की पाबंदी स्वीकार करने से भी साफ इंकार कर दिया। होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर भी उन्होंने ईरान के नौवहन अधिकारों पर जोर दिया और अमेरिकी नाकेबंदी समाप्त करने की मांग रखी। हालांकि ईरानी राष्ट्रपति ने युद्ध के बीच कुटनीति का दरवाजा पूरी तरह बंद नहीं किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि बातचीत संभव है, लेकिन इसके लिए अमेरिका को धमकी, बल प्रयोग और प्रतिबंधों की भाषा छोड़नी होगी। इसी बीच ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची और अमेरिकी विशेष दूत स्टीव वित्कॉफ के बीच कतर की मध्यस्थता से अप्रत्यक्ष बातचीत भी हुई, लेकिन तत्काल कोई बड़ी सफलता सामने नहीं आई। ईरानी पक्ष आर्थिक और समुद्री प्रतिबंध हटाने तथा फ्रीज हुए धन से जुड़े मुद्दों पर अपनी शर्तों पर कायम रहा।

संतान सुख में बाधा और लगातार कर्ज का कारण कहीं ‘पितृ दोष’ तो नहीं? लक्षण और मुक्ति के अचूक उपाय

(ज्योतिषाचार्य डॉ. उमाशंकर मिश्र)

26 सितंबर से पितृ पक्ष शुरू हो गया। सनातन धर्म और ज्योतिष शास्त्र में पितृ दोष को बेहद गंभीर और कष्टदायक माना गया है. मान्यताओं के अनुसार, जब हमारे पूर्वज यानी पितर हमसे नाराज या अतृप्त होते हैं, तो परिवार के सदस्यों को कई तरह के कष्टों का सामना करना पड़ता है. इस बार पितृ पक्ष की शुरुआत 26 सितंबर 2026 शनिवार को पूर्णिमा श्राद्ध से हो गया है। मुख्य प्रतिपदा श्राद्ध 27 सितंबर 2026 से शुरू होकर 10 अक्टूबर 2026 को सर्वापितृ अनावस्था के साथ समाप्त होगा। इस पावन और संवेदनशील समय पर, वैदिक ज्योतिषाचार्य डॉ. उमाशंकर मिश्र का कहन है कि पितृ दोष आखिर क्यों लगता है, व्यक्ति के जीवन पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है और इस बार पितृ पक्ष में इससे मुक्ति के प्रामाणिक उपाय क्या हैं।

पितृ दोष क्यों और कैसे लगता है? – ज्योतिषाचार्य के अनुसार, पितृ दोष केवल एक धार्मिक मान्यता नहीं है, बल्कि इसके पीछे गहरे आध्यात्मिक और ज्योतिषीय कारण होते हैं. इसके मुख्य कारण हैं। श्राद्ध और तर्पण न करना– यदि परिवार के लोग अपने मृत पूर्वजों का विधि-विधान से अंतिम संस्कार, पिंडदान या प्रतिवर्ष श्राद्ध पक्ष में तर्पण नहीं करते हैं, तो पितर अतृप्त रह जाते हैं। बुजुर्गों का अपमान: जीवित रहते हुए माता-

पिता, दादा-दादी या घर के अन्य वृद्धजनों का अनादर करना, उन्हें प्रताड़ित करना या उनकी बुनियादी जरूरतों की अनदेखी करना सबसे बड़ा पितृ दोष पैदा करता है।

कुंडली में ग्रहों की खराब स्थिति– ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति की जन्म कुंडली के नौवें या दसवें भाव में सूर्य अथवा चंद्रमा का संबंध राहु, केतु या शनि से हो जाए, तो कुंडली में भारी पितृ दोष का निर्माण होता है. सूर्य को पिता और पूर्वजों का कारक माना जाता है, इसलिए सूर्य का पीड़ित होना इस दोष को दर्शाता है।

अकाल मृत्यु होना– यदि परिवार में किसी सदस्य की अकाल मृत्यु हो जाती है और उनकी आत्मा की शांति के लिए विशेष पूजा नहीं की जाती, तो वे पितर रूप में कष्ट पाते हैं और दोष का कारण बनते हैं। पितृ दोष के मुख्य लक्षण: मिश्र बताते हैं कि जब किसी व्यक्ति या परिवार पर पितृ दोष का साया होता है, तो उनके जीवन में अप्रत्याशित और निरंतर परेशानियाँ आने लगती हैं. इसके मुख्य संकेत इस प्रकार हैं

संतान सुख में बाधा– विवाह के कई वर्ष बीत जाने के बाद भी संतान सुख प्राप्त न होना, गर्भपात होना या संतान का शारीरिक/मानसिक रूप से अस्वस्थ होना इसका सबसे बड़ा लक्षण है।

आज का राशिफल

मेष आज अनचाहे खर्च पर कंट्रोल करें। अनचाहे खर्च के लिए भी आपको तैयार रहना होगा। आपके लिए जरूरी है कि क्रोध और जोश में काम लेने की बजाय, तहजीब और संयम से काम लें तो गुरु का साथ मिलेगा और स्थिति को संतुलित रख पाएंगे।	वृष आज का दिन सुखद और रोमांटिक रहेगा। आप कुछ गैरपारंपरिक काम में हाथ आजमा सकते हैं। किसी कारण से यात्रा का भी संयोग बनेगा। विरोधी और प्रतिद्वंद्वियों को मात देने में सफल रहेंगे। बुद्धि के साथ वाणी का भी आपको सपोर्ट मिलेगा, कुछ काम बुद्धि बनाएगी तो कुछ आपकी बातें।
मिथुन आज का दिन शुभ रहेगा। आपको परिवार से सहयोग मिलेगा। साथ ही आपका काम भी सुचारु रूप से चलेगा। आर्थिक मामलों में भी आपको भाग्य का साथ मिलेगा। कमाई के कुछ नए स्रोत प्राप्त होंगे। माता और घर के बड़ों से आपको आशीर्वाद प्राप्त होगा।	कर्क आज मन उचाट महसूस करेंगे। दिन मिलाजुला रहेगा। मानसिक उलझन और दुविधा की स्थिति बनी रहेगी। काम को शुरू करेंगे लेकिन पूरा करने से पहले ही मन उचाट महसूस करेंगे, धैर्य और संयम से काम लेना होगा। खर्च भी आपका बड़ा रह सकता है।
सिंह आज, किसी से अधिक अपेक्षा न रखें दिन मिश्रित रहने वाला है। सेहत में सुस्ती महसूस हो सकती है। दूसरों के मामलों में अनावश्यक हस्तक्षेप से आपको बचना चाहिए। तकनीक से जुड़ी वस्तुओं पर आप धन खर्च कर सकते हैं। पारिवारिक जीवन में आपको सगे संबंधियों से बहुत अपेक्षा नहीं रखना चाहिए क्योंकि निराशा मिल सकती है।	कन्या आज रचनात्मक काम कर पाएंगे। आप परिवार के साथ सुखद और मनोरंजक समय बिता पाएंगे। आपको रचनात्मक काम करने का मौका मिलेगा। वरिष्ठ व्यक्तियों से सहयोग प्राप्त होगा। दिन का दूसरा भाग आपके कारोबार व्यापार के लिए भी अनुकूल रहने वाला है।

तुला आज, मनोरंजक समय बीतेगा। दिन बहुत ही अच्छा रहने वाला क्योंकि इनके साथ बृध हस्तमिलाप करने आ रहे हैं। दिन रोमांटिक और उत्साहवर्धक रहेगा। आपको दोस्तों से सहयोग मिलेगा और मनोरंजक समय बिताने का मौका भी पाएंगे। कामकाज के साथ दिन हंसी मजाक में भी बीतेगा। आर्थिक पक्ष अनुकूल बना रहेगा।	वृश्चिक आज, कुछ उत्साहवर्धक और नया करेंगे, दिन शुभ रहेगा। आपको अपने कार्यक्षेत्र में कुछ उत्साहवर्धक और नया करने का मौका मिलेगा। साथी सहकर्मियों से आपको अपेक्षित सहयोग भी मिलेगा और आप अपनी प्रबंधन क्षमता की भी बेहतर इस्तेमाल कर पाएंगे।
धनु आजधन खर्च करके अच्छा लगेगा। अपनी उम्मीद की डोर को छोड़ने की जरूरत नहीं है। आपका साहसी और सकारात्मक होना ही आपका सबसे बड़ा बल है तो इसका दामन कसकर पकड़े रहें। काम में थोड़ी सुस्ती रहेगी इसलिए काम का प्रबंधन सही से करना होगा।	मकर आज कारोबार में लाभ की स्थिति बनी रहेगी। दिन अनुकूल बीतेगा। दिन के दूसरे भाग में ऐसे लगेगा मनो कल्पना का पंख लग गया हो। मन में कई तरह के विचार आकर आपको गुदगुदाएंगे। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा और जीवनसाथी से सहयोग भी पाएंगे।
कुंभ आज कुछ अप्रत्याशित लाभ मिल सकता है। दिन कूल मिलाकर अनुकूल रहेगा। आपको कल कुछ अप्रत्याशित लाभ मिल सकता है। दिन का दूसरा भाग विशेष रूप से आपके पक्ष में रहेगा। आपका कोई बड़ा काम जो काफी समय से अटक रहा था वह पूरा हो सकता है। आर्थिक लाभ का भी संयोग बनेगा।	मीन आज, घरेलू काम में धन खर्च होगा। दिन मिलाजुला रहेगा। कमाई के साथ आपका खर्च भी बना रहेगा। कुछ पुराने घरेलू काम पर भी आपका धन खर्च करना होगा। किसी बात को लेकर आप मानसिक उलझन भी महसूस करेंगे लेकिन जीवनसाथी और घर के बड़ों का सहयोग आपकी समस्या को दूर करने में सहायक रहेगा।



संक्षिप्त

समाचार

महाराष्ट्र में दुरंतो एक्सप्रेस ट्रेन पर पथराव, तीन बोगियों की खिड़कियों के शीशे टूटे

नागपुर , एजेंसी। मध्य प्रदेश के नागपुर डिवीजन के अंतर्गत बोरखेडी में एक ट्रेन पर पथराव की घटना सामने आई है। इस पत्थरबाजी में ट्रेन की तीन बोगियों की खिड़कियों के शीशे टूट गए। हालांकि, किसी भी यात्री को कोई चोट नहीं आई। फिलहाल, रेलवे पुलिस की टीमें घटना की जांच में जुटी हैं। मध्य रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार रात करीब 8.27 बजे, बोरखेडी स्टेशन से गुजरने के बाद नागपुर-मुंबई सीएसएमटी दुरंतो एक्सप्रेस (ट्रेन नंबर 12290) पर पत्थरबाजी की सूचना मिली, जिससे कोच ए-1, बी-2 और बी-5 की खिड़कियों के शीशे टूट गए। एस्कॉर्ट स्टाफ और यात्रियों ने पुष्टि की कि लगभग 8.27 बजे बाहर से किसी चीज (पत्थर) ने खिड़कियों पर टक्कर मारी थी। घटना के कुछ देर बाद आरपीएफ और जीआरपी टीमों मौके पर पहुंचीं। उन्होंने बोरखेडी-सिंधी सेवशन के बीच किलोमीटर 803 से किलोमीटर 796 तक तलाशी ली। बोरखेडी और ब्राह्मणी गांवों के आस-पास के इलाकों की भी जांच की गई। पुलिस पाटिल व स्थानीय निवासियों से पूछताछ की गई। फिलहाल, कोई संदिग्ध व्यक्ति या ठोस सबूत नहीं मिला है। इसके बाद शनिवार रात करीब 2.55 बजे एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ रेलवे एक्ट की धारा 153 के तहत अपराध दर्ज किया गया। फिलहाल, घटना की सही जगह का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। इस घटना पर मध्य रेलवे ने भी आधिकारित तौर पर बयान जारी किया। सेंट्रल रेलवे, सीपीआरओ स्वप्निल नीला ने कहा कि शुक्रवार नागपुर से मुंबई आने वाली दुरंतो एक्सप्रेस पर नागपुर से निकलने के बाद बोरखेडी के पास में पथराव की घटना हुई है।

तलाक पीड़ित बेसहारा महिलाओं को वक्फ बोर्ड देगा घर, अगले महीने लाएंगे प्रस्ताव : शादाब शम्स

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तराखंड वक्फ बोर्ड ने तीन तलाक और हलाला पीड़ित बेघर और बेसहारा महिलाओं को सहाय देने के लिए एक बड़ी पहल का ऐलान किया। वक्फ बोर्ड के चेयरमैन शादाब शम्स ने कहा कि बोर्ड के पास मौजूद लैंड बैंक और संपत्तियों का इस्तेमाल अब उनके असली हकदारों, यतीमों, मिसकीनों और विधवाओं के लिए किया जाएगा। शादाब शम्स ने कहा, ‘वक्फ प्रॉपर्टीज का एक लैंड बैंक है। हम कैप्टरटैकर हैं, और हमारे पास कई घर और संपत्तियां हैं। हम सरकार के साथ बैठकर बात करेंगे कि हम उन्हें बेहतर तरीके से कैसे सौंप सकते हैं। मुझे उम्मीद है क्योंकि मैंने हमारे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से बात की, और उन्होंने बहुत सकारात्मक जवाब दिया। जब से वक्फ संशोधन एक्ट आया है, तब से बेसहारा महिलाओं में उम्मीद जगी है और अब गरीबों को उनका हक मिलेगा। उसी लाइन को आगे बढ़ाते हुए उत्तराखंड की धामी सरकार एक फैसला लेने जा रही है।’ उन्होंने कहा कि अगले महीने की मीटिंग में हम एक प्रस्ताव रख रहे हैं कि जो महिलाएं तीन तलाक या हलाला पीड़ित हैं और बेघर या बेसहारा हैं, उन्हें वक्फ बोर्ड सहाय देगा। वक्फ बोर्ड उन्हें रहने की जगह देगा ताकि वे बिना किसी मकसद के न भटकें। उत्तराखंड की धामी सरकार यूसीसी लेकर आई है और उसी की ग्राउंटिंग में हम यह कोशिश कर रहे हैं कि बेटियों को उनके हक दिए जा सकें। जो बेसहारा हैं, वक्फ तो उन्हीं के लिए था।

समयपुर बादली की प्लास्टिक फैक्ट्री में लगी भीषण आग, तीन लोग झुलसे

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के समयपुर बादली औद्योगिक क्षेत्र में शुक्रवार देर रात ‘प्लास्टिक मोल्डिंग’ की एक इकाई में आग लगने से तीन लोग मामूली रूप से झुलस गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र के फेज-2 में रात करीब साढ़े बाहर बजे आग लगने की सूचना मिली। इसके बाद दमकल की कई गाड़ियां घटनास्थल पर भेजी गईं। दिल्ली अग्निशमन सेवा को आग लगने के संबंध में कई सूचनाएं मिलीं, जिसके बाद कुल 15 दमकल इकाइयों को मौके पर तैनात किया गया। इनमें ‘ब्रोटो एरियल लैंडर प्लेटफॉर्म’ भी शामिल था। अधिकारियों के अनुसार, यह इकाई एक ऐसी इमारत में स्थित थी जिसमें तहखाना, भूतल, पहली और दूसरी मंजिल है तथा छत पर एक अस्थायी ढांचा भी बना हुआ है। अधिकारियों ने बताया कि आग पर देर रात तीन बजकर 15 मिनट पर कांफू पा लिया गया। इसके बाद प्रशीतन अभियान संचालित किया गया। इस घटना में तीन लोग धर्मवीर (32), मोहम्मद सरुख (41) और अमित (34) मामूली रूप से झुलस गए। अधिकारियों के मुताबिक, दमकल कर्मियों के पहुंचने से पहले ही आम लोगों ने तनों को आंबेडकर अस्पताल पहुंचाया।

बीजेपी मुझसे सलाह नहीं लेती’, पंजाब में चुनाव से पहले कैप्टन अमरिंदर सिंह का छलका दर्द

जालंधर, एजेंसी। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी नेता कैप्टन अमरिंदर सिंह ने कहा कि पंजाब की राजनीति में छह दशक के अनुभव के बावजूद, पार्टी राज्य के मामलों पर उनसे राय नहीं लेती है। उनके ये बयान पंजाब में होने वाले अहम विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले आए हैं, जिसमें बीजेपी राज्य में जीत हासिल करने की कोशिश कर रही है।

पंजाब विधानसभा चुनावों से कुछ ही महीने पहले राज्य की सियासत में हलचल तेज हो गई है। पंजाब के दो बार मुख्यमंत्री रह चुके वरिष्ठ नेता और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य कैप्टन

अमरिंदर सिंह की नाराजगी खुलकर सामने आई है। 84 वर्षीय अनुभवी राजनेता ने कहा कि पंजाब की राजनीति में छह दशकों से अधिक का अनुभव होने के बावजूद बीजेपी का शीर्ष और प्रदेश नेतृत्व राज्य के नीतिगत और राजनीतिक मामलों में उनसे कोई राय या सलाह नहीं लेता है। एक न्यूज चैनल से बात करते हुए, पंजाब के दो बार मुख्यमंत्री रहे सिंह ने कहा कि राज्य के कामकाज को संभालने वाले कुछ बीजेपी पदाधिकारियों को राज्य की राजनीति में आए एक साल भी नहीं हुआ है। इसके बावजूद, उन्होंने कहा कि पार्टी उनसे सलाह लेने के बारे में नहीं सोचती, जबकि उन्होंने लगभग



60 वर्षों तक पंजाब और उसके हालात को करीब से देखा है। नरस्थान तलारों सिंह ने कहा, ‘मैंने और मेरे साथियों ने पंजाब की चुनावी राजनीति में साठ साल बिताए हैं। हमने पंजाब को कई उतार-चढ़ाव से गुजरते देखा है। हमने कई काम किए हैं। हम बस यही उम्मीद करते हैं कि बीजेपी हमारे अनुभव के आधार पर ‘हमारी राय ले और उसे महत्व दे।’ सिंह ने 2022 में अपनी पार्टी,

पंजाब लोक कांग्रेस, का बीजेपी में विलय कर दिया था। उन्होंने 2021 में कांग्रेस से मतभेद के बाद पार्टी छोड़ दी थी और अपनी खुद की पार्टी बनाई थी। उनके ये बयान ऐसे समय में आए हैं जब अटकलें लगाई जा रही हैं कि चुनाव से पहले सिंह कांग्रेस में वापसी कर सकते हैं। इस संभावना के बारे में पूछे जाने पर सिंह ने कहा कि राजनीतिक पार्टियां बदलती रहती हैं, लेकिन उन्होंने साफ किया कि वे बीजेपी छोड़ने के बारे में नहीं सोच रहे हैं। उन्होंने कहा, ‘मैंने यह नहीं कहा है कि कांग्रेस या बीजेपी में मेरी कोई अहमियत नहीं रही। पार्टियां बदलती रहती हैं। जब मैं कांग्रेस में था, तब ऑपरेशन ब्लू स्टार के

बाद मैं अकाली दल में भी गया था और बाद में कांग्रेस में लौट आया था। इसका मतलब यह नहीं है कि मैं अब पार्टी छोड़कर किसी दूसरी पार्टी में शामिल हो जाऊंगा।’ बाद में सिंह ने फिर कहा कि पंजाब के बारे में अपनी राय रखना बीजेपी सदस्य के तौर पर उनकी जिम्मेदारी है। पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा, ‘पंजाब के बारे में मुझे जो लगता है, वह अपनी पार्टी की बताना मेरा कर्तव्य है। इसका मतलब यह नहीं है कि मैं पार्टी छोड़ रहा हूँ।’ अपनी उम्र के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए सिंह ने कहा कि वे 84 साल के हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि उम्र का मतलब जरूरी नहीं

है कि राजनीतिक करियर का अंत हो। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई का जिक्र किया, जो 81 साल की उम्र में प्रधानमंत्री बने थे। इस कार्यक्रम में मौजूद जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फ़ारूक अब्दुल्ला ने कहा कि वे चाहते हैं कि सिंह फिर से पंजाब के मुख्यमंत्री बनें और उन्होंने अपनी यह इच्छा जाहिर की। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी इस किताब के लॉन्च कार्यक्रम में शामिल हुए। उनके साथ पूर्व क्रिकेटर कपिल देव, सैयद किरमानी और मदन लाल भी मौजूद थे। पंजाब विधानसभा की 117 सीटों के लिए अगले साल चुनाव होने हैं।

चुनाव आयोग पर उठ रहे सवालों पर चिराग पासवान का बड़ा बयान, सीईसी ज्ञानेश कुमार से मांगा जवाब



बताया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह मेरे लिए बहुत चिंता की बात है कि हमारी सरकार के सत्ता में रहते हुए भी अपराधी ऐसे काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे में हम लोग जबाबदेही से नहीं भाग सकते हैं। हम सही कार्रवाई किए बिना इनको जाने नहीं दे सकते। उन्होंने लापरवाह अधिकारियों पर भी कार्रवाई करने की बात कही। हाल में प्रकाशित द इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट में कहा गया कि तीन सदस्यीय चुनाव आयोग के भीतर, निर्वाचन आयुक्त सुखबीर सिंह संघू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों के दौरान कम से कम 14 मौकों पर लिखित आपत्तियां दर्ज कीं। रिपोर्ट के मुताबिक, ये आपत्तियां नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, मतदाता सूची से नाम हटाने, स्ट्रूक से जुड़े मामलों और वोटर डेटाबेस के केंद्रीकरण जैसे विषयों पर केंद्रित थीं। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख है कि दोनों निर्वाचन आयुक्तों ने कुछ निर्णयों और आदेशों पर असहमति जताते हुए कहा कि कुछ मामलों में उन्हें न तो जानकारी दी गई।

बृजभूषण शरण सिंह को यौन उत्पीड़न मामले में बरी किए जाने को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई टली

नई दिल्ली , एजेंसी। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को यौन उत्पीड़न मामले में बरी किए जाने के फैसले को दी गई चुनौती पर शनिवार को होने वाली सुनवाई टल गई है। महिला पहलवानों की याचिका पर अब राउज एवेन्यू कोर्ट में 28 सितंबर को सुनवाई होगी। जज दिग्विनय सिंह के ट्रेनिंग में चले जाने की वजह से सुनवाई टली है। बृजभूषण शरण सिंह को यौन उत्पीड़न मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने बीते 3 अगस्त को बरी कर दिया था। यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली महिला पहलवानों ने राउज एवेन्यू कोर्ट के फैसले को सेशन कोर्ट में शुक्रवार को चुनौती दी। चार महिला पहलवानों ने सेशन कोर्ट में अपील की है। मामले में सह-आरोपी विनोद तोमर के बरी होने के आदेश को भी चुनौती दी गई है। याचिका में कहा गया है कि मजिस्ट्रेट कोर्ट का आदेश कानून की नजर में टिकाऊ नहीं है और सबूतों का गलत व चुनिंदा तरीके से आकलन किया गया है। अपील में आरोप लगाया गया कि आदेश अनुमान और अटकलों पर आधारित है



और स्थापित कानूनी सिद्धांतों को सही तरीके से लागू नहीं किया गया। महिला पहलवानों का कहना है कि आदेश में पीड़िता के व्यवहार को लेकर पुरानी रूढ़िवादी सोच को आधार बनाया गया है। बृजभूषण शरण सिंह ने मामले में अदालत द्वारा बरी किए जाने के बाद लगाए गए आरोप गलत थे। मुद्दा पर आरोप लगाने वाले ओलंपिक मेडलिस्ट थे। इसमें विपक्ष की बड़ी पार्टियां शामिल थीं। देश और देश के बाहर भी प्रदर्शन हुआ था। मैंने खुद को कभी अपराधी माना ही नहीं। ऐसे झूठे आरोप लगाए जाने के बाद व्यक्ति टूट जाता है। उसका परिवार भी उसका साथ छोड़ देता है।

मीसा के दबाव के बाद, पोक्सो पीड़िता के परिवार के साथ सीएम की तस्वीर अपलोड करने पर बिहार सीएमओ स्टेनो के खिलाफ एफआईआर

पटना, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) के स्टेनोग्राफर पर जमुई उत्पीड़न-छेड़छाड़ पीड़िता और उसके परिवार की तस्वीर सोशल मीडिया पर अपलोड करने के आरोप में शुक्रवार को पोक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था। इस घटना पर राजनीतिक विवाद के बीच राष्ट्रीय जनता दल (राजद) विधायक मीसा भारती ने दावा किया कि सीएम सम्राट चौधरी के खिलाफ उनकी शिकायत पुलिस द्वारा दर्ज नहीं की गई थी। पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कार्तिकेय कुमार शर्मा ने कहा कि सागर कुमार नाम के स्टेनोग्राफर पर सीएम के एक्स हैडल पर जमुई पीड़िता की तस्वीरें अपलोड करने के



मामले में आरोप लगाया गया है। एसएसपी ने यह भी कहा कि पाटलिपुत्र सांसद मीसा भारती द्वारा दी गई शिकायत जिसमें उन्होंने जमुई पीड़िता की पहचान उजागर करने पर कार्रवाई की मांग की थी, वह भी जांच का हिस्सा होगी। मीसा भारती शुक्रवार को सचिवालय पुलिस स्टेशन पहुंचीं और यौन अपराधों से

बच्चों के संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम, 2012 की धारा 23 और किशोर न्याय अधिनियम, 2015 की धारा 74 के तहत शिकायत दर्ज करने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि चौधरी ने जमुई में छेड़छाड़ की शिकार 10वीं कक्षा की लड़की की पहचान का खुलासा किया था। धाना प्रभारी ने कथित तौर पर एफआईआर दर्ज करने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, ‘मैं पूछती हूं कि क्या सीएम ने पोक्सो एक्ट का उल्लंघन किया है या नहीं। सबसे पहले सीएम ने नाबालिग लड़की को बुलाकर पीआर अभ्यास किया था और तस्वीरें एक्स हैडल पर पोस्ट की थीं। मुझे नहीं पता कि लड़की पीड़ित है या उसकी मां। लेकिन एक्स पर पोस्ट बाद में हटा

दिया गया था, जबकि दूसरी ओर, नाबालिग की पहचान उजागर करने के लिए जमुई प्रकरण का वीडियो वायरल करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। यह बहुत विरोधाभासी है।’ राजद के कार्यकारी अध्यक्ष और विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री पर कानून की धजियां उड़ाने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ इसी कानून के तहत मामला दर्ज करने की मांग की। विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए, राज्य के योजना मंत्री और जद (यू) नेता भगवान सिंह कुशवाहा ने कहा कि राजद ‘अनावश्यक रूप से इस मामले को उठा रहा है क्योंकि उसके पास लोगों से जुड़ने के लिए कोई वास्तविक मुद्दा नहीं है।

प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी को बड़ा झटका! उम्मीदवार बनने के 24 घंटे भीतर भूषण झा का इस्तीफा, अब लड़ेंगे निर्दलीय चुनाव

पटना, एजेंसी। बिहार विधान परिषद चुनाव की घोषणा के ठीक बाद चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर की ‘जन सुराज पार्टी’ को एक बड़ा झटका लगा है। तिरहुत शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से प्रत्याशी घोषित किए जाने के महज 24 घंटे के भीतर प्रमुख शिक्षक नेता भूषण झा ने पार्टी से अपना नाता तोड़ लिया है। जन सुराज पार्टी छोड़ने का ऐलान करते हुए झा ने अब निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनावी मैदान में उतरने की घोषणा कर दी है। यह घटनाक्रम मुजफ्फरपुर में हुई एक समीक्षा बैठक के बाद सामने आया, जिसमें झा ने अपने और अपने समर्थक शिक्षकों के साथ किए गए व्यवहार को लेकर आरोप लगाए। झा के हटने के बाद, जन सुराज पार्टी अब शनिवार को तिरहुत शिक्षक सीट के लिए नए उम्मीदवार की घोषणा करने वाली है।

भूषण झा ने जन सुराज पार्टी छोड़ी : जन सुराज पार्टी छोड़ने के अपने फैसले की घोषणा करते हुए, झा ने आरोप लगाया कि जब वे अपनी बात रख रहे थे, तो उनका समर्थन करने वाले शिक्षकों को समीक्षा बैठक की रिकॉर्डिंग करने से रोका गया। उन्होंने यह भी दावा किया कि उन पर पार्टी द्वारा तय की गई बातों के अनुसार बोलने का दबाव डाला जा रहा था। झा ने कहा कि उन्हें यह बात आपत्तिजनक लगी और साथी शिक्षकों के सुझावों के बाद, उन्होंने जन सुराज पार्टी छोड़ने



और निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ने का फैसला किया। **प्रशांत किशोर की मौजूदगी में बैठक हुई** : यह बैठक 25 सितंबर को मुजफ्फरपुर के माडीपुर स्थित एक हॉटल में हुई, जिसमें प्रशांत किशोर भी मौजूद थे। बैठक के बाद ही झा ने पार्टी छोड़ने और निर्दलीय चुनाव लड़ने की घोषणा की। उन्होंने बैठक के दौरान अपने और अपने समर्थक शिक्षकों के साथ किए गए व्यवहार को लेकर कई आरोप भी लगाए। जन सुराज पार्टी ने आठ सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की जन सुराज पार्टी ने गुरुवार को बिहार विधान परिषद की आठ सीटों में से तीन के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की थी। इन सीटों के लिए चुनाव 23 अक्टूबर को होने हैं, जबकि वोटों की गिनती 27 अक्टूबर को होगी। पार्टी ने बाकी पांच सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा पहले ही 20 सितंबर को कर दी थी।

हरिद्वार का हैप्पी हत्याकांड: पुलिस ने हत्या के आरोपी को एनकाउंटर में किया ढेर, दूसरा कातिल हुआ फरार

हरिद्वार , एजेंसी। हरिद्वार के बहदुराबाद के शांतराज गांव में हुए बहुचर्चित हैप्पी हत्याकांड में शामिल बदमाशों से पुलिस की मुठभेड़ हुई है। यह मुठभेड़ मध्य रात्रि दौलतपुर के घने जंगल में हुई। पुलिस के अनुसार, बदमाशों की ओर से फायरिंग किए जाने पर पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की। इस मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश के पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया। घायल बदमाश को पुलिस ने तत्काल उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। घायल ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं, उसका दूसरा साथी अंधेरे और जंगल का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने बताया कि यह मुठभेड़ बीते 14 सितंबर को हुई हैप्पी की जघन्य हत्या के मामले में की गई। 26 वर्षीय बाइक मिस्री हैप्पी की दो अज्ञात नकाबपोश



बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस के मुताबिक, शांतराज निवासी हैप्पी की गांव में बनी बाजार में बाइक मैकेनिक की दुकान थी। सोमवार करीब सवा सात बजे हैप्पी अपनी दुकान पर बैठे हुए थे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दो नकाबपोश लोग कॉलनी की तरफ से होते हुए दुकान पर पहुंचे। उन्होंने हैप्पी पर अचानक ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी थी। गोलियां चलने से आसपास के पूरे इलाके में अचानक अफरा-तफरी मच गई थी। हैप्पी को करीब दो गोली लगीं और वह गंभीर रूप

से घायल होकर वहीं गिर पड़ा। घटना को अंजाम देने के बाद दोनों बदमाश तेजी से जंगल की तरफ से भाग निकले थे। जानकारी मिलते ही परिजन और पुलिस तत्काल मौके पर पहुंचे थे। घायल हैप्पी को एक निजी अस्पताल ले जाया गया। उसकी हालत बेहद गंभीर देखते हुए हायर सेंटर रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई थी।

पुलिस की कार्रवाई और मुठभेड़ : इस जघन्य हत्याकांड के बाद से पुलिस लगातार बदमाशों की तलाश में जुटी थी। पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए कई

लैंडस्लाइड के बाद सिक्किम के दर्जनों परिवार पर आफत, लगातार भारी बारिश के बीच आशियाना तलाश रहे लोग



ग्यालशिगं , एजेंसी। सिक्किम के ग्यालशिगं जिले के युक्सोम-ताशिगिग निर्वाचन क्षेत्र के रिम्बी गांव में लगातार भारी बारिश के कारण जबरदस्त भूस्खलन हुआ है। जिससे 32 से ज्यादा घर और सरकारी क्वार्टर क्षतिग्रस्त हो गए। कई परिवारों को अपना घर छोड़कर सुरक्षित जगहों और बनाए गए राहत शिविर में जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। भूस्खलन के कारण ऊपरी ढलानों से मिट्टी, पत्थर और मलबा निचले इलाकों की ओर आ गया, जिससे रिहायशी इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं और इलाके में आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया।

जोखिम वाले इलाकों से निखल रहे : भूस्खलन के खतरे को देखते हुए, प्रभावित परिवारों को जोखिम वाले इलाकों से सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। जानकारी के अनुसार ग्यालशिगं जिले के रिम्बी गांव के मुख्यमंत्री पर कानून की धजियां उड़ाने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ इसी कानून के तहत मामला दर्ज करने की मांग की। विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए, राज्य के योजना मंत्री और जद (यू) नेता भगवान सिंह कुशवाहा ने कहा कि राजद ‘अनावश्यक रूप से इस मामले को उठा रहा है क्योंकि उसके पास लोगों से जुड़ने के लिए कोई वास्तविक मुद्दा नहीं है।

पड़ा है। स्थानीय जनप्रतिनिधि ने प्रभावित परिवार को राहत शिविरों में पहुंचा दिया है। **जिला प्रशासन की प्रभावित परिवार पर नजर** : लैंडस्लाइड की घटना के बाद जिला प्रशासन और सिक्किम सरकार ने मिलकर उन प्रभावित परिवारों के लिए रहने की व्यवस्था की है, जो बहुत मुश्किल हालात में थे। हालांकि इस घटना में किसी की जान नहीं गई है। शनिवार सुबह-सुबह, स्थानीय लोग एक-दूसरे की मदद करते हुए अपना सामान सुरक्षित जगहों पर पहुंचाते दिखे। स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकार ने राहत कैंप तो लगाया है, लेकिन वहां सभी के रहने की जगह नहीं है। कुछ लोग अपने रिश्तेदारों के यहां रहे हैं। इस आपदा से इलाके में आवाजही पर भी असर पड़ा है। भूस्खलन के मलबे की वजह से स्थानीय सड़कें और संपर्क बाधित हो गए हैं। स्थानीय लोगों ने अधिकारियों से राहत और जोखिम वाली जगहों पर रह रहे परिवारों की सुझा के लिए तत्काल मदद की मांग की है। सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग ने शुक्रवार को स्थिति पर चिंता जताई।

मिवा हरिमोटो से हारकर यशस्विनी बाहर डिफेंडिंग चैंपियन सात्विक-चिराग पुरुष डबल्स के पहले ही राउंड में बाहर



टोयोटा। भारत की यशस्विनी घोरपड़े का एशियन गेम्स 2026 में महिला एकल का अभियान शनिवार को तीसरे राउंड में समाप्त हो गया। दुनिया की नंबर 3 खिलाड़ी जापान की मिवा हरिमोटो ने यशस्विनी को 9-11, 5-11, 11-4, 4-11, 5-11 से हराया।

हरिमोटो ने मुकाबले में शुरू में ही नियंत्रण बना लिया था और घोरपड़े को एक करीबी शुरुआती गेम में हराया। दूसरा गेम उन्होंने और आसान तरीके से जीता। घोरपड़े ने तीसरे गेम में अपनी लय पाई और 11-4 की जबरदस्त जीत के साथ मोमेंटम को अपनी तरफ मोड़ा। हालांकि, जापानी खिलाड़ी ने जल्दी ही अपना दबदबा वापस पा लिया। हरिमोटो ने चौथे गेम में अपना गेम सुधारा, जिससे घोरपड़े को वापसी करने का मौका नहीं मिला, और

पांचवें गेम में मुकाबला जीतकर अगले राउंड में पहुंच गई। घोरपड़े ने सीरिया की हेंड जाजा पर 4-1 से जीत के साथ तीसरे राउंड में जगह बनाई थी। एकल से बाहर होने के साथ ही उनका व्यक्तिगत कैपेन खत्म हो गया। इससे पहले उन्होंने गेम्स में विमेंस डबल्स और मिक्स्ट डबल्स कॉम्पिटिशन में भी हिस्सा लिया था। घोरपड़े और दिया चिताले शुक्रवार को चीन की फैन शुहान और चेन यो से 0-3 से हारने से पहले विमेंस डबल्स क्वार्टर-फाइनल में पहुंची थीं।

श्रीजा अकुला और सिंदेला दास भी डबल्स मुकाबले से बाहर हो गईं; उन्हें तीसरे राउंड में चीन की कुआई मान और वांग मन्तु से 0-3 से हार मिली।

भारत की टेबल टेनिस टीम ने फिर भी नागोया में एक मेडल पक्का कर लिया है।



आइची। डिफेंडिंग चैंपियन सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेठी शुक्रवार को एशियन गेम्स 2026 में पुरुष डबल्स बैडमिंटन इवेंट के पहले ही राउंड में थाईलैंड के पीराचाई सुखफुन और पक्कापोन तीरात्सकुल से हारकर बाहर हो गए। दुनिया की नंबर 5 भारतीय जोड़ी

इचिनोमिया सिटी म्युनिसिपल जिम्नेजियम में दुनिया की नंबर 36 थाई जोड़ी से 21-12, 19-21 और 14-21 से हार गई, जिससे उनका टाइटल डिफेंस निराशाजनक तरीके से खत्म हो गया। पिछले महीने चाइना मास्टर्स का खिताब जीतने के बाद सात्विक और चिराग काफी मोमेंटम के साथ एशियन गेम्स में उतरे थे। उन्होंने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए चीन के ही जितिंग और रेन शियांग्यू को 70 मिनट के फाइनल में 11-21, 21-13 और 21-17 से हराया।

सात्विक और चिराग थाई जोड़ी के खिलाफ शुरुआत में पूरे नियंत्रण में दिखे और पहला गेम 21-12 से जीत लिया। लेकिन सुखफुन और तीरात्सकुल ने धीरे-धीरे अपनी लय पकड़ ली और दूसरे गेम में भारतीयों को और मेहनत करने पर मजबूर कर दिया।

थाई जोड़ी ने 17-13 से चार पॉइंट की बढ़त बना ली थी, जिसके बाद सात्विक और चिराग ने वापसी करते हुए अंतर को 18-19 कर दिया। हालांकि, यह वापसी कमजोर रही, क्योंकि थाई जोड़ी ने निर्णायक गेम के लिए मजबूर कर दिया।

संक्षिप्त

समाचार

जीत के साथ

आयुष शेटी और उन्नति हुडा ने बनाई राउंड ऑफ 16 में जगह

इचिनोमिया सिटी। एशियन गेम्स 2026 में आयुष शेटी और उन्नति हुडा ने शनिवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए बैडमिंटन सिंगल्स मुकाबलों के राउंड ऑफ 16 में अपनी जगह बना ली है। दोनों खिलाड़ियों ने अलग-अलग अंदाज में जीत हासिल की और भारत की सिंगल्स स्पर्धा में मेडल की उम्मीदों को बरकरार रखा। आयुष को जहां कजाकिस्तान के मुखसुत ताजीबुल्लायेव को 21-7, 21-7 से हराने में सिर्फ 21 मिनट लगे, वहीं उन्नति को मलेशिया की वोंग लिंग चिंग से कड़ी टक्कर मिली और उन्हें 79 मिनट तक चले मुकाबले में 21-14, 20-22, 21-19 से जीत हासिल करने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। आयुष के लिए दूसरे दौर का मुकाबला आसान रहा।



दुनिया के 20वें नंबर के भारतीय खिलाड़ी ने शुरू से ही मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा और ताजीबुल्लायेव को लय हासिल करने का कोई मौका नहीं दिया। आयुष की सीधे गेम में जीत ने यह भी सुनिश्चित किया कि दिन में बाद में होने वाले अगले मुकाबले के लिए उनकी ऊर्जा बची रहे।

आयुष शेटी के सामने अब कड़ी चुनौती होगी। राउंड ऑफ 16 में जगह बनाने के बाद वह शाम को प्री-क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के अनुभवी खिलाड़ी चाउ टिएन-चेन से भिड़ेंगे। दोनों खिलाड़ियों के बीच अब तक तीन मुकाबले हुए हैं, जिनमें आयुष एक जीत और दो हार के साथ 1-2 से पीछे है।

वहीं, उन्नति को कहीं ज्यादा मुश्किल मुकाबले का सामना करना पड़ा।

पीवी सिंधु ने बनाई राउंड ऑफ 16 में जगह, चिउपिन-चियन को 21-19, 21-14 से हराया

इचिनोमिया। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने शनिवार को इचिनोमिया सिटी म्युनिसिपल जिम्नेजियम में महिला सिंगल्स के दूसरे राउंड में चीनी ताइपे की चिउपिन-चियन को 21-19, 21-14 से हराकर एशियन गेम्स 2026 के राउंड ऑफ 16 में जगह बना ली है। एशियन गेम्स में दो बार मेडल जीत चुकी सिंधु ने पहले गेम में पिछड़ने के बावजूद पिन-चियन को आसानी से हरा दिया। पहले गेम में ब्रेक के समय वह 10-11 से पीछे थीं,



लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए बढ़त बनाई। पहले गेम में उनके दो गेम व्हाइट हाथ से निकल गए, लेकिन आखिरकार उन्होंने अपने तीसरे गेम व्हाइट पर पहला गेम जीतकर 1-0 की बढ़त बना ली। इसके बाद ओलंपिक में दो मेडल जीत चुकी सिंधु दूसरे गेम में बेहतर लय में दिखीं। उन्होंने दूसरे गेम के ब्रेक तक 11-7 की बढ़त बना ली और अपनी लय को बनाए रखते हुए दूसरा गेम 21-14 से जीत लिया। सिंधु अब राउंड ऑफ 16 में जापान की टोमोका मियाजकी का सामना करेंगी, जो शनिवार को ही खेला जाएगा। मौजूदा गेम्स में इससे पहले भारतीय टीम को महिला टीम क्वार्टर फाइनल में जापान से हार का सामना करना पड़ा था। इस टीम में सिंधु भी शामिल थीं।

पुरुष मैराथन में 44 साल बाद देश को दिलाया पदक

सावन बरवाल ने जीता सिल्वर मेडल

नागोया। भारत के सावन बरवाल ने एशियन गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष मैराथन में सिल्वर मेडल जीता। बरवाल के सिल्वर ने इवेंट में देश के मेडल जीतने का 44 साल का इंतजार समाप्त किया। भारतीय नेशनल रिकॉर्ड-होल्डर बरवाल नागोया में एक कड़े मुकाबले वाली रेस में मेडल की दौड़ में बने रहे और फिर 42.195 किलोमीटर के इवेंट में दूसरा स्थान हासिल किया। उनका सिल्वर मेडल 1982 के एडिशन के बाद भारत का पहला एशियन गेम्स मैराथन मेडल है और विदेशी धरती पर किसी भारतीय पुरुष का पहला मेडल है। मैराथन सुबह 4 बजे (भारतीय समयानुसार) शुरू हुई, जिसमें बरवाल और साथी भारतीय धावक कार्तिक करकेरा सहित 19 प्रतिभागी शामिल थे। बरवाल शुरुआती स्टेज में लीडिंग ग्रुप में मजबूती से बने रहे, फिर जैसे-जैसे रेस आगे बढ़ी, उन्होंने सबसे आगे अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। आधे रास्ते तक, बरवाल पहले ही दूसरे स्थान पर थे। इसके बाद,



जब रेस आगे बढ़ने लगी, तो वह मेडल की दौड़ में बने रहे और 35 किलोमीटर के निशान पर 1:49:29 की रिपोर्टेड टाइमिंग के साथ दूसरे स्थान पर रहे। रेस के लगभग सात किलोमीटर बाकी रहने पर बरवाल जापान के इचिताका यामाशिता का पीछा कर रहे थे। जापानी धावक ने एक बड़ा गैप बना लिया, लेकिन बरवाल ने आखिरी स्टेज तक अपनी जगह बनाए रखी और सिल्वर मेडल की दौड़ में बने रहे। बरवाल की इस कामयाबी से भारत के ऐतिहासिक एशियन गेम्स मैराथन मेडल की गिनती में चौथा मेडल जुड़ गया है। छोटा सिंह ने पहले 1951 एशियन गेम्स में गोल्ड जीता था, जबकि सूरत सिंह माधुर ने उसी एडिशन में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। होसुर कुक्कप्पा सीतारण ने 1982 एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीता। बरवाल का सिल्वर मेडल अब 44 सालों में कॉन्टिनेंटल इवेंट में भारत का पहला मैराथन मेडल बन गया है। रेस में दूसरे भारतीय कार्तिक करकेरा 2:22:41 में मैराथन पूरी करके 17वें स्थान पर रहे।



जोशना-सेथिलकुमार की जोड़ी को ब्रॉन्ज मेडल से करना पड़ा संतोष, सेमीफाइनल में हारे

नागोया। एशियन गेम्स 2026 में भारत की मिक्स्ट डबल्स जोड़ी जोशना चिनप्पा और वेलवन सेथिलकुमार ने स्ववैश में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। हालांकि, भारतीय जोड़ी को सेमीफाइनल में हांगकांग, चीन की जोड़ी ली का यी और तांग मिंग होंग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। एक बेहद रोमांचक और करीबी मुकाबले में भारत की मिक्स्ट डबल्स जोड़ी जोशना चिनप्पा और वेलवन सेथिलकुमार सेमीफाइनल में 1-2 (10-11, 11-2, 10-11) से हार गई। इस हार के साथ उनका फाइनल में पहुंचने का सपना टूट गया। तीसरे और निर्णायक गेम में भारतीय जोड़ी 10-8 से आगे थी और उसके पास मैच जीतने के तीन मौके थे। हालांकि, वे इन मौकों का फायदा नहीं उठा सके। दबाव भरे क्षणों में जोशना का एक शॉट बाहर चला गया, जिससे वे निर्णायक गेम हार गए और उन्हें ब्रॉन्ज मेडल से ही संतोष करना पड़ा। यह चिनप्पा का छठा एशियन गेम्स मेडल है। इससे पहले यह अनुभवी खिलाड़ी तीन ब्रॉन्ज और दो सिल्वर मेडल जीत चुकी हैं। हालांकि, उनके मेडल कलेक्शन में अभी भी इस कॉन्टिनेंटल इवेंट का गोल्ड मेडल शामिल नहीं हो पाया है।

चारों क्वार्टर फाइनल की टीमें तय, भारत का अफगानिस्तान से होगा मुकाबला

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 में पुरुष क्रिकेट के लीग मुकाबले समाप्त हो गए हैं। मलेशिया और ओमान के बीच ग्रुप बी का मुकाबला बारिश की वजह से धुल जाने के साथ ही लीग मुकाबले खत्म हो गए। लीग मुकाबलों के बाद अगला राउंड क्वार्टर फाइनल का है। चार क्वार्टर फाइनल मुकाबले होने हैं। क्वार्टर फाइनल का शेड्यूल सामने आ चुका है। लीग स्टेज में हुए मुकाबलों में 6 टीमों को 2 ग्रुप में बांटा गया था। ग्रुप ए में नेपाल, अफगानिस्तान और जापान शामिल थे, जबकि ग्रुप बी में मलेशिया, हांगकांग और ओमान शामिल थे। ग्रुप ए से नेपाल और अफगानिस्तान तथा ग्रुप बी से मलेशिया और हांगकांग ने क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया है। भारत, श्रीलंका, पाकिस्तान और अफगानिस्तान पहले से ही क्वार्टर फाइनल में हैं। क्वार्टर फाइनल के शेड्यूल पर गौर करें तो पहला क्वार्टर फाइनल मुकाबला पाकिस्तान और हांगकांग, चाइना के बीच 28 सितंबर को सुबह 5:30 बजे से खेला जाएगा। दूसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला भारत और अफगानिस्तान के बीच 28 सितंबर को सुबह 10:30 बजे से खेला जाएगा। तीसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला 29 सितंबर को सुबह 5:30 बजे से श्रीलंका और नेपाल के बीच खेला जाएगा।

भारत ने महिलाओं के 50 मीटर राइफल 3पी टीम इवेंट में सिल्वर जीता

व्यक्तिगत स्पर्धा में मेडल लाने से चूकीं तिलोत्तमा और विदर्शा

आइची। एशियन गेम्स 2026 में भारत की तिलोत्तमा सेन और विदर्शा के विनोद व्यक्तिगत शूटिंग मेडल जीतने से चूक गईं। महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पीजीशन स्पर्धा के रोमांचक फाइनल में वे मामूली अंतर से मेडल हासिल नहीं कर सकीं। तिलोत्तमा ब्रॉन्ज मेडल के बहुत करीब थीं। भारतीय शूटर साउथ कोरिया की किम जी-उन पर 0.3 प्वाइंट की बढ़त के साथ तीसरे स्थान के लिए फाइनल राउंड में उतरीं। हालांकि, अपने आखिरी प्रयास में 9.4 स्कोर करने से किम के लिए मौका बन गया, जिन्होंने 10.5 स्कोर करके ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया। तिलोत्तमा को चौथे स्थान से संतोष करना पड़ा। विदर्शा की चुनौती एलिमिनेशन राउंड में पहले ही खत्म हो गई। 10.4 के स्कोर ने उन्हें एक राउंड में बने रहने और कजाकिस्तान की एरिना मालिनोव्काया (316.7 स्कोर) से आगे निकलने में मदद की। हालांकि, अगले राउंड में 10.0

स्कोर करने से विदर्शा का फाइनल में सफर खत्म हो गया और वह 327.4 स्कोर के साथ पांचवें स्थान पर रहीं। ये करीबी मुकाबले तब हुए जब दोनों भारतीय खिलाड़ियों ने क्वालिफिकेशन राउंड में शानदार प्रदर्शन करते हुए आठ-शूटर फाइनल में जगह बनाई थी। तिलोत्तमा 590-32x स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहकर मेडल मुकाबले में उतरी थीं, जबकि विदर्शा ने 588-29x स्कोर के साथ फाइनल में अपनी जगह पक्की की थी। आखिरकार चीन ने पहला और दूसरा स्थान हासिल किया। हान जियायु ने गोल्ड-मेडल शूटआउट में अपनी ही देश की झांग लियुआन को हराया और निर्णायक राउंड में 10.5 स्कोर करके जीत पक्की की। हान ने 359.0 स्कोर के साथ नया एशियन रिकॉर्ड बनाया, जबकि झांग ने 358.8 स्कोर के साथ सिल्वर मेडल जीता।



अनाहत सिंह ने रचा इतिहास

एशियन गेम्स के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला स्ववैश खिलाड़ी बनीं



नागोया। भारत की अनाहत सिंह ने जापान की दुनिया की छठे नंबर की खिलाड़ी सतोमी वातानाबे के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए 3-2 (9-11, 11-13, 12-10, 11-6, 11-3) से जीत हासिल की। इस जीत के साथ ही अनाहत ने एशियन गेम्स 2026 के महिला सिंगल्स स्ववैश फाइनल में जगह बना ली है। अनाहत एशियन गेम्स के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला स्ववैश खिलाड़ी बन गई हैं। 18 साल की भारतीय खिलाड़ी को शुरुआती दो गेम 9-11 और 11-13 से हारने के बाद कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने गेम व्वाइट्स बचाकर और 8-10 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए तीसरा गेम 12-10 से जीतकर खुद को मुकाबले में बनाए रखा। इसके बाद अनाहत ने चौथे गेम में शानदार वापसी की। 8-6 से पिछड़ने के बाद, उन्होंने लगातार पांच प्वाइंट जीतकर गेम 11-6 से अपने नाम किया और सेमीफाइनल को 2-2 की बराबरी पर लाकर निर्णायक गेम तक पहुंचा दिया। भारतीय खिलाड़ी ने पांचवें और आखिरी गेम में दबदबा बनाया और इसे 11-3 से जीतकर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। अनाहत की जीत से उनका मेडल पक्का हो गया है। यह युवा खिलाड़ी इस कॉन्टिनेंटल इवेंट में अपना पहला सिंगल्स मेडल (गोल्ड या सिल्वर) जीतेगी। वातानाबे के तीसरे गेम हारने के बाद, मैच का रुख पूरी तरह से भारतीय खिलाड़ी के पक्ष में हो गया। उन्होंने मुकाबले में अपनी पकड़ मजबूत की और बेहतरीन रैकेट कोशल दिखाते हुए आखिरी दो गेम में अपनी जापानी प्रतिद्वंद्वी को पीछे छोड़ दिया।

अनाहत की जीत फाइनल के लिहाज से भी बहुत अहम है, क्योंकि एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने पर लॉस एंजिल्स ओलंपिक में सीधे एंट्री मिलती है। अनाहत सिंह पिछली बार एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली महिला और मिक्स्ट टीम का भी हिस्सा थीं। यह युवा खिलाड़ी अब महिला सिंगल्स फाइनल के लिए कोर्ट पर उतरेगी।



अनाहत के बाद...

अभय सिंह ने भी बनाई फाइनल में जगह

भारत के अभय सिंह ने शनिवार को पाकिस्तान के मुहम्मद इरफान को 3-0 (11-3, 12-10, 11-6) से हराकर एशियन गेम्स 2026 के पुरुष सिंगल्स स्ववैश फाइनल में जगह बना ली है। वहीं, अनाहत महिला सिंगल्स स्ववैश फाइनल में पहले ही पहुंच चुकी हैं। वह यह मुकाम हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं हैं। दोनों ही एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने और लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालिफाई करने के करीब हैं। दुनिया के 26वें नंबर के खिलाड़ी अभय सिंह, सौरव घोषाल के बाद एशियन गेम्स के पुरुष सिंगल्स फाइनल में पहुंचने वाले दूसरे भारतीय पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं। सौरव घोषाल ने 2014 और 2023 में सिल्वर मेडल जीता था। अभय ने इरफान के खिलाफ पहला गेम 11-3 से जीतकर शानदार शुरुआत की। इरफान ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में भारत के वीर छोटारानी को हराया था। दूसरे गेम में पाकिस्तानी खिलाड़ी ने कड़ी टक्कर दी और स्कोर 10-10 तक पहुंच गया, लेकिन अभय ने संयम बनाए रखा और 12-10 से गेम जीतकर 2-0 की बढ़त बना ली। तीसरा गेम भी पहले गेम जैसा ही रहा। अभय ने खेल पर पकड़ बनाई और चार मैच प्वाइंट हासिल किए। उन्होंने पहले ही मैच प्वाइंट को भुनाते हुए सीधे गेम में जीत दर्ज की और गोल्ड-मेडल मैच में अपनी जगह पक्की कर ली।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान का सातवां पड़ाव रामपुर बघेलान विकासखण्ड में

जनसुनवाई में 71 आवेदनों की हुई सुनवाई, सीएम हेल्पलाइन के लंबित 6101 प्रकरणों का निराकरण

सतना। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत सातवां कार्यक्रम शनिवार को रामपुर बघेलान जनपद पंचायत के सभागार में जन संवाद, जनसुनवाई, उद्योग संवाद की गतिविधियों के साथ आयोजित किया गया। इस मौके पर प्रत्यक्ष जनसुनवाई में 71 आवेदकों की समस्यायें सुनी गईं तथा विकासखण्ड में पूर्व की लंबित 8159 कुल सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों में से 6101 शिकायतों का मौके पर निराकरण किया गया। इसके पूर्व जिला मुख्यालय सतना के कलेक्टर परिसर से कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस, पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह, डीएफओ मयंक चांदीवाल, अपर कलेक्टर विकास सिंह सहित जिला विभाग प्रमुख अधिकारी एक वाहन (ट्रेवलर) में बैठकर रामपुर बघेलान के लिए रवाना हुए। रामपुर बघेलान पहुंचकर जनपद पंचायत के सभाकक्ष में कलेक्टर, एसपी

और डीएफओ सहित विभाग प्रमुख अधिकारियों ने अपने विभाग से संबंधित सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों का निराकरण किया तथा स्थानीय स्तर पर जनसुनवाई में आये लोगों की शिकायतों को गंभीरता से सुना और उनके त्वरित निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। कार्यक्रम में विधायक रामपुर बघेलान श्री विक्रम सिंह, जनपद अध्यक्ष रावेन्द्र सिंह, पूर्व अध्यक्ष बाबूलाल सिंह सहित एसडीएम संदीप श्रीवास्तव, डिप्टी कलेक्टर संदीप परस्ते, एसडीओपी श्री दीक्षित, टीआई संदीप चतुर्वेदी, सीएमएचओ डॉ. मनोज शुक्ला, एलडीएम गौतम शर्मा, परियोजना अधिकारी जिला पंचायत गौरव शर्मा सहित विभिन्न विभागों के जिला विभाग प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत रामपुर बघेलान के कार्यक्रम में कलेक्टर ने हितग्राही मूलक



स्वरोजगार और रोजगार की योजनाओं की विभागीय अधिकारी तथा बैंकर्स के साथ संघर्ष हुई बीएलबीसी बैठक के निर्णयों की समीक्षा की। विभागों को लक्ष्यनुसार प्रकरणों में ऋण स्वीकृत और वितरण की कार्यवाही करने के निर्देश दिये। एलडीएम गौतम शर्मा ने बताया कि उद्यम संवाद के दौरान रामपुर बघेलान क्षेत्र में 15 नये बैंक कियोस्क स्थापित करने की सहमति बनी है। जिला उद्योग केन्द्र के

कलेक्टर ने कहा कि निरीक्षण के दौरान वस्तु स्थिति और पाई गई कमियों के बारे में संबंधित विभागीय अधिकारी अपना प्रतिवेदन सोमवार को दोपहर तक उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे। अभियान के दौरान सभी विभागों ने उनके यहाँ लंबित सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का मौके पर संतुष्टिपूर्ण निराकरण की कार्यवाही की। जनसुनवाई में 71 आवेदकों की समस्यायें सुनी गईं और 6101 सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों का निराकरण विभागीय अधिकारियों द्वारा किया गया। शिविर के पूर्व विकासखण्ड रामपुर बघेलान में सभी विभागों की कुल 8159 सीएम हेल्पलाइन की शिकायतें लंबित थीं। जिनमें 6101 शिकायतों की मौके पर निराकरण के पश्चात 2058 शिकायतें शेष रही हैं। सीएम हेल्पलाइन के निराकरण में रामपुर बघेलान तहसील का प्रदेश स्तर पर 22वां स्थान रहा है।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत रामपुर तहसील कार्यालय के सभागार में आयोजित शिविर के उपरांत विधायक श्री विक्रम सिंह के साथ कलेक्टर डॉ सतीश कुमार एस ने संबंधित अधिकारियों के साथ निर्माणाधीन सर्किट हाउस, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के 100 बिस्तरीय अस्पताल के निर्माणाधीन कार्यों और सांदीपनि विद्यालय का निरीक्षण किया। इस मौके पर जनपद अध्यक्ष श्री रावेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह, डीएफओ मयंक चांदीवाल, अपर कलेक्टर विकास सिंह सहित अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत रामपुर बघेलान में जिला अधिकारियों ने अपनी अपनी अधीनस्थ संस्थाओं का निरीक्षण किया इसी क्रम में जिला प्रबंधक लोकसेवा ऋगुराज मिश्रा ने लोक सेवा केंद्र रामपुर बघेलान का निरीक्षण किया।

आज रविवार को खुले रहेंगे सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक

सतना। प्रस्तावित तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल के मद्देनजर ग्राहकों की सुविधा और आवश्यक बैंकिंग सेवाओं की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए 27 सितंबर 2026 रविवार को सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक एवं क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक सामान्य रूप से कार्य करेंगे। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस द्वारा 28 से 30 सितंबर 2026 तक राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल का आह्वान किया गया है। इससे पहले 26 और 27 सितंबर को सप्ताहिक अवकाश होने के कारण बैंकिंग सेवाओं पर लगातार कई दिनों तक प्रभाव पड़ेने की संभावना

को देखते हुए यह व्यवस्था की गई है। भारतीय रिजर्व बैंक ने 27 सितंबर को बैंक शाखाओं, एटीएम-लिंक शाखाओं तथा करेंसी चेस्ट को पूर्ण रूप से संचालित रखने की अनुमति प्रदान की है। इससे आम नागरिकों को आवश्यक बैंकिंग कार्य करने का अतिरिक्त अवसर मिलेगा। सरकार ने कहा है कि बैंक ग्राहकों की सुविधा और आवश्यक बैंकिंग सेवाओं की उपलब्धता सर्वोच्च प्राथमिकता है। सरकार एवं बैंक प्रबंधन की ओर से बैंक यूनियनों से प्रस्तावित हड़ताल स्थगित करने की अपील भी की गई है।

सतना जिले में अब तक 1420.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

सतना। जिले में इस वर्ष 1 जून से 26 सितम्बर तक 1420.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। अधीक्षक भू-अभिलेख सतना से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले की सतना (रघुराजनगर) तहसील में 1508.6 मि.मी., सोहावल (रघुराजनगर) में 1419.8 मि.मी., बरौंधा (मझगांव) में 1830.3 मि.मी., बिरसिंहपुर में 1550.6 मि.मी., रामपुर बाघेलान में 1521.7 मि.मी., नागौद में 1490.7 मि.मी., जसो (नागौद) में 986 मि.मी. एवं उचेहरा में 1059.5 मि.मी. औसत वर्षा अब तक दर्ज की जा चुकी है।

कलेक्टर ने सुनी ग्रामीणों की समस्याएं, तहसील में विशेष सुनवाई सेल बनाने के निर्देश

पन्ना। पन्ना ग्राम पंचायत बनहरी में कलेक्टर ऊषा परमार की उपस्थिति में मझगाय बांध से प्रभावित एवं विस्थापित ग्रामीणों की समस्याओं को लेकर जनसुनवाई आयोजित की गई। इस दौरान जिला सीईओ उमराव सिंह मरावी, एसडीएम आलोक मार्को, जल संसाधन विभाग के एसडीओ हजारीलाल प्रजापति एवं जनपद सीईओ सतीश सिंह नागवंसी सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। जनसुनवाई में विस्थापित ग्रामीणों ने मुआवजा एवं विस्थापन राशि सहित विभिन्न समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया। कलेक्टर ने ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक



कार्रवाई के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जल संसाधन विभाग को 7 दिवस के भीतर विस्थापित ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, ग्रामीणों को किसी एक स्थान पर अपनी समस्याएं रखने और उनका त्वरित निराकरण कराने के लिए तहसील परिसर में विशेष सुनवाई सेल स्थापित करने

के निर्देश एसडीएम आलोक मार्को को दिए गए। प्रशासन की ओर से ग्रामवासियों से अपील की गई कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और अपने वैध दस्तावेज, राशय पत्र एवं संयुक्त बैंक खाता (जाइंट अकाउंट) तत्काल खुलवाकर एसडीएम कार्यालय में जमा कराएं।

वनकर्मियों द्वारा रैपुरा में नीलगाय के बच्चे का सुरक्षित रेस्क्यू, उपचार के बाद जंगल में छोड़ा



पन्ना। दक्षिण पन्ना वनमंडल के रैपुरा वन परिक्षेत्र में वन अमले की त्वरित कार्रवाई से नीलगाय के बच्चे का सुरक्षित रेस्क्यू किया गया। शनिवार, 26 सितंबर 2026 को सुबह लगभग 9:30 बजे सूचना प्राप्त हुई कि अधराड़ बीट के ग्राम माधोपुरा में एक नीलगाय का बच्चा पालतू मवेशियों के साथ ग्रामीण अजय सिंह के घर पहुंच

गया है। सूचना मिलते ही वन परिक्षेत्र अधिकारी, रैपुरा के निर्देशन में वन अमला तत्काल मौके पर पहुंचा और नीलगाय के बच्चे को सुरक्षित रेस्क्यू किया। आवश्यक पंचनामा कार्रवाई के बाद नीलगाय के बच्चे को पशु चिकित्सालय, रैपुरा ले जाया गया, जहाँ पशु चिकित्सक द्वारा उसका परीक्षण एवं प्राथमिक उपचार किया गया। स्वस्थ पाए जाने पर उसे अधराड़ बीट के उपयुक्त वन क्षेत्र में सुरक्षित छोड़ दिया गया। इस संपूर्ण रेस्क्यू एवं उपचार संबंधी कार्रवाई में वनपाल प्रेमशंकर सिंह एवं सुमंत कुमार जगत की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

राष्ट्रीय गीत सामूहिक गायन कार्यक्रम पहाड़ी खेरा में सम्पन्न

पन्ना। पन्ना अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय गीत का सामूहिक गायन कार्यक्रम 25 सितंबर को पूरे देश में प्रातः 11:00 बजे संचालित करवाया गया उक्त कार्यक्रम सरस्वती शिशु मंदिर पहाड़ीखेरा में सामूहिक तौर पर आयोजित किया गया। स्कूल के संचालक अयोध्या प्रसाद त्रिपाठी के द्वारा कार्यक्रम आयोजित किया गया था कार्यक्रम की अध्यक्षता इंद्रमणि गर्ग पूर्व सरपंच के द्वारा की गई तथा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राम शिरोमणि लोधी सरपंच ग्राम पंचायत दिया (भूत पूर्व सैनिक) उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि राममूर्ति सोनी शिक्षक विनोद पांडे शिक्षक, राम सखा गौतम आचार्य आदि शामिल हुए।

मेरे सपनों का भारत प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

सतना। सेवा और समर्पण के 25 वर्ष जन सेवा से देश सेवा' अभियान के अंतर्गत शासकीय उत्कृष्ट उच्च माध्यमिक विद्यालय व्यक्त क्रमांक-1, सतना में 'मेरे सपनों का भारत' राष्ट्रीय चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता, प्रमाण-पत्र वितरण समारोह एवं प्रदर्शनी आयोजित की गई। कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिभा बागरी ने सहभागिता कर विद्यार्थियों से संवाद किया और प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए



कहा कि विद्यार्थियों के सपनों और कल्पनाओं में ही विकसित एवं सशक्त भारत की तस्वीर दिखाई देती है। राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिभा बागरी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के लोकसेवक के रूप में 25 वर्षों

की सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण और राष्ट्र निर्माण की यात्रा से प्रेरणा लेते हुए आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाओं और विचारों के माध्यम से भारत के उज्ज्वल भविष्य का सुंदर चित्र प्रस्तुत

70वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता-2026 का शुभारंभ

सिंधु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 26 से 29 सितंबर तक होगी टाइकांडो प्रतियोगिता

सतना। स्कूल शिक्षा विभाग जिला सतना द्वारा आयोजित 70वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता-2026 के अंतर्गत टाइकांडो प्रतियोगिता का शुभारंभ शनिवार को सिंधु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रीवा रोड सतना में उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ। शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिभा बागरी उपस्थित रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता सांसद श्री गणेश सिंह द्वारा की गई। इस अवसर पर महापौर योगेश ताम्रकार, जिला पंचायत उपाध्यक्ष सुस्मिता सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी सलोनी शर्मा, क्रीड़ा अधिकारी मीना त्रिपाठी सहित खिलाड़ी उनके कोच तथा शैक्षणिक स्टाफ उपस्थित रहा। राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिभा बागरी ने खिलाड़ियों

का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। खेलों से शारीरिक क्षमता के साथ आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता तथा चुनौतियों का सामना करने का साहस विकसित होता है। उन्होंने सभी प्रतिभागी खिलाड़ियों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दीं। सांसद श्री गणेश सिंह ने कहा कि शालेय स्तर की खेल प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती हैं। टाइकांडो जैसे खेल शारीरिक दक्षता के साथ आत्मरक्षा, अनुशासन और मानसिक दृढ़ता का विकास करते हैं। उन्होंने प्रतियोगिता में शामिल सभी खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। सिंधु उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रीवा रोड सतना में 26 सितम्बर से 29 सितम्बर तक आयोजित इस चार दिवसीय प्रतियोगिता में विभिन्न जिलों से पहुंचे खिलाड़ी अलग-अलग मुकामलों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

कलेक्टर ने एक करोड़ 62 लाख 50 हजार रूपए की विस्थापन पैकेज राशि की स्वीकृत



पन्ना। पन्ना कलेक्टर ऊषा परमार ने केन बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना अंतर्गत पन्ना तहसील के ग्राम कोनी के 13 परिवारों से प्राप्त सहमति उपरांत प्रत्येक परिवार को 12 लाख 50 हजार रूपए के मान से एकमुश्त विस्थापन पैकेज की कुल राशि एक करोड़ 62 लाख 50 हजार रूपए स्वीकृत की है। इनमें शिवराज गौड़, सिम्बू आदिवासी, हरी चरण, पिरूवा, संतोष, प्रेम लाल, भरत आदिवासी, रामू गौ?, प्रेमदास, राकेश, लक्ष्मण प्रसाद आदिवासी, एसाख खान एवं मेघ

सिंह शामिल हैं। विदित हो कि छतरपुर पन्ना जिले के तहत केन बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना अंतर्गत दीर्घा बांध निर्माण कार्य के लिए डूब क्षेत्र से प्रभावित पन्ना टाईगर रिजर्व कोर क्षेत्र के एवज में पीटीआर से लगे हुए ग्राम कोनी की निजी भूमि पन्ना पीटीआर के उपयोग अधिग्रहण के लिए भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और चारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 के तहत अवाई पारित किया गया है। जल संसाधन विभाग द्वारा केन बेतवा परियोजना के तहत बांध के डूब प्रभावितों हेतु विशेष पैकेज की स्वीकृति अनुसार दीर्घा बांध के डूब प्रभावितों के लिए विशेष पैकेज दिए जाने के निर्णय के परिप्रेक्ष्य में भू-अर्जन अधिनियम 2013 अंतर्गत 13 परिवारों को निर्धारित राशि का अवाई पारित किया गया।

सतगुरु धनी देवचंद जी महाराज का अंतर्ध्यान दिवस श्रद्धाभाव से मनाया

पन्ना धाम के 400 वर्ष प्राचीन मंदिर में झीलना कार्यक्रम, सुंदरसाथ ने गाए विरह गीत

मंदिरों में सफेद पोशाक, बिना घंटा-घड़ियाल के सादगी से हुई आरती

पन्ना। निजानंद संप्रदाय के सतगुरु धनी देवचंद जी महाराज का अंतर्ध्यान दिवस शुक्रवार को पन्ना धाम में श्रद्धा, भक्ति और विरह भाव के साथ मनाया गया। पन्ना धाम स्थित करीब 400 वर्ष प्राचीन सतगुरु धनी देवचंद जी महाराज के मंदिर में प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार विशेष धार्मिक आयोजन हुए। सुबह मंदिर में झीलना कार्यक्रम संपन्न हुआ। इसके बाद धामी समाज सहित देश के विभिन्न प्रांतो से आए सुंदरसाथ ने सतगुरु धनी देवचंद जी महाराज की स्मृति



की पोशाक सफेद रखी गई। इस दिन मंदिरों में घंटा-घड़ियाल नहीं बजाए गए और आरती भी सादगीपूर्ण ढंग से संपन्न हुई। सुंदरसाथ ने भी सफेद कुर्ता-पायजामा धारण कर विरह और स्मरण के भाव को अभिव्यक्त किया। स्मरण और साधना में डूबा सुंदरसाथ पूरे दिन पन्ना धाम में आध्यात्मिक वातावरण बना रहा। धामी समाज और सुंदरसाथ ने सतगुरु धनी देवचंद जी महाराज के जीवन, आध्यात्मिक मार्गदर्शन और स्मृति का भावपूर्ण स्मरण किया।

पूरे दिन पन्ना धाम में आध्यात्मिक वातावरण बना रहा। धामी समाज और सुंदरसाथ ने सतगुरु धनी देवचंद जी महाराज के जीवन, आध्यात्मिक मार्गदर्शन और स्मृति का भावपूर्ण स्मरण किया।

हाथी रेजुविनेशन (पुनर्यौवनीकरण) कैंप का किया गया शुभारंभ

पन्ना। पन्ना टाइगर रिजर्व के हिनौता हाथी कैंप में सप्ताहिक हाथी रेजुविनेशन (पुनर्यौवनीकरण) कैंप 24 सितंबर 2026 से हाथी महोत्सव एवं रेजोल्यूशन कैंप का शुभारंभ उत्साहपूर्वक किया गया है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य हाथियों के संरक्षण के प्रति जन-जागरुकता बढ़ाना और उनके स्वास्थ्य व प्रबंधन को सुदृढ़ करना है।



हाथी पुनर्यौवनीकरण कैंप का उद्घाटन पन्ना टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक श्री ब्रिजेंद्र श्रीवास्तव के द्वारा किया गया हाथी पुनर्यौवनीकरण कैंप में मुख्य वन संरक्षक (ष्ट्रख) छतरपुर श्री नरेश सिंह यादव, कलेक्टर पन्ना श्रीमती उषा परमार,

आकस्मिक श्रमिक तथा हाथियों की देखरेख करने वाले महावत, सहायक महावत व चारा कटर ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान हाथियों को पौष्टिक आहार के रूप में ड्राई फूट, गुड के लड्डू, तरबूज, केला, सेब और गन्ना जैसे फल विशेष डाइट के रूप में खिलाए गए। कार्यक्रम के दूसरे दिन आज दिनांक 25 सितंबर 2026 को पन्ना विधानसभा क्षेत्र के

माननीय विधायक श्री बृजेंद्र प्रताप सिंह जी का हिनौता हाथी कैंप में गरिमामयी आगमन हुआ। उनके साथ उपसंचालक महोदय, हिनौता परिक्षेत्र के रेंज अधिकारी, समस्त वन कर्मचारी और महावत उपस्थित रहे। माननीय विधायक महोदय ने कैंप का अवलोकन किया और पन्ना टाइगर रिजर्व में बढ़ रहे हाथियों के कुनबे तथा उनके संरक्षण की दिशा में किए

जा रहे प्रभावी प्रबंधों की सराहना की। आगामी कार्यक्रम और स्वास्थ्य परीक्षण यह महोत्सव आगामी 30 सितंबर 2026 तक जारी रहेगा। वन्य प्राणी स्वास्थ्य अधिकारी श्री संजीव गुप्ता के मार्गदर्शन में हाथियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। साथ ही, एनएमडीसी सिविल अस्पताल के चिकित्सकों द्वारा हाथी स्टाफ का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया जाएगा। पन्ना टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने क्षेत्र के सभी गणमान्य नागरिकों और प्रकृति प्रेमियों से अपील की है कि वे इस कैंप में भाग लें और वन्यजीवों एवं वन हाथी सुरक्षा के इस अभियान में अपना सहयोग दें।

उप मुख्यमंत्री ने संजय गांधी अस्पताल जाकर तीन रोगियों के उपचार की जानकारी ली तथा डॉक्टरों को उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने सुरक्षा अधिकारी अमृतलाल तिवारी की धर्मपत्नी के उपचार के संबंध में चिकित्सकों को निर्देश दिए।



पद पर पहुँचने के बाद निश्चित होना नहीं, समर्पित सेवा ही राष्ट्र-निर्माण का आधार : उप मुख्यमंत्री

जनसांख्यिकीय बदलाव एवं लोक प्रशासन पर आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में जुटे देश भर के शिक्षाविद्

रीवा। रीवा शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय रीवा के तत्वावधान में भारत में जनसांख्यिकीय बदलाव एवं लोक प्रशासन विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल सम्मिलित हुए। इस अवसर पर देश एवं प्रदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से आए प्रतिष्ठित शिक्षाविदों, प्रशासनिक विशेषज्ञों, प्राध्यापकों और शोधार्थियों ने सहभागिता की। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल ने प्रशासनिक जवाबदेही और राष्ट्र-निर्माण पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बड़े पदों पर आसीन होने के बाद अधिकारियों को निश्चित होकर बैठने का अधिकार नहीं है। जब प्रशासनिक मशीनरी में शिथिलता आती है, तब देश के विकास की गति धीमी पड़ती है। यही कारण है



कि हमें सतत कर्मयोगी की तरह कार्य करना होगा। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की कार्य-साधना का उदाहरण देते हुए श्री शुक्ल ने कहा कि प्रधानमंत्री जी पिछले 25 वर्षों से लगातार सार्वजनिक जीवन में रहते हुए, मात्र 4-5 घंटे की नींद लेकर निरंतर जनता की सेवा में समर्पित हैं। तन समर्पित, मन समर्पित और यह जीवन समर्पित... चाहता हूँ देश की धरती, मैं तुझे कुछ और दूँ की इसी उच्च भावना के साथ आज देश में कार्य हो रहा है। भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और युवा शक्ति का उल्लेख करते हुए उप मुख्यमंत्री ने आगाह किया कि विश्व पटल पर भारत के बढ़ते प्रभुत्व से कई ताकतें असहज हैं। उन्होंने कहा कि भारत की विकास यात्रा को बाधित करने के लिए हमारे देश के युवाओं को सॉफ्ट टारगेट बनाकर भ्रमित करने का प्रयास किया जा रहा है। विदेशों से ऐसी ताकतें सक्रिय हैं जो अनर्गल बातें फैलाकर जारी विकास कार्यों में रुकावट डालना चाहती हैं,

ताकि वैश्विक स्तर पर भारत उनके सामने चुनौती न बन सके। उन्होंने आह्वान किया कि देश को अखंड और सशक्त बनाने के लिए युवाओं को जागरूक, संस्कारी और समझदार बनना होगा तथा विकास संधन में अपनी सक्रिय सहभागिता निभानी होगी। उप मुख्यमंत्री ने सेमिनार के विषय की सराहना करते हुए कहा कि जनसांख्यिकीय बदलावों को ध्यान में रखकर बनाई गई लोक नीतियाँ ही देश का भविष्य तय करेंगी। उन्होंने उपस्थित विशेषज्ञों एवं विद्वानों से स्वास्थ्य तथा अन्य प्रशासनिक विभागों के लिए व्यावहारिक सुझाव माँगे, ताकि उन्हें शासन की भावी नीतियों में शामिल किया जा सके। अंत में उन्होंने छात्राओं को उच्च शिक्षा प्राप्त कर एक आदर्श नागरिक बनने और देश के विकास में अमूल्य योगदान देने की शुभकामनाएँ दीं। संगोष्ठी के तकनीकी सत्र में देश भर से आए प्राध्यापकों, प्रतिभागियों एवं शोधार्थियों ने जनसांख्यिकीय लाभांश युवा श्रमबल का प्रभावी नियोजन, स्वास्थ्य प्रशासन तथा लोक नीतियों में आवश्यक बदलाव जैसे समसामयिक विषयों पर अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किए। एमिनार में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. विभा श्रीवास्तव ने अपने अध्यक्षीय भाषण प्रस्तुत किए। उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त संचालक डॉ. एम.एम. द्विवेदी द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया। राष्ट्रीय संगोष्ठी का संचालन महाविद्यालय के संयोजक डॉ. अमरजीत कुमार सिंह द्वारा किया गया। इस अवसर पर उच्च शिक्षा विभाग के अतिरिक्त संचालक डॉ. एम.एम. द्विवेदी, प्रो.कमलाकर सिंह, श्री डी.पी. तिवारी, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त श्री ओ.पी. रावत सहित विभिन्न राज्यों से आए शोधार्थी एवं प्राध्यापकगण तथा छात्र छात्राएँ उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान में 685 आंगनवाड़ी केन्द्रों में आंगन मिलन सेवा का शुभारंभ

रीवा। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 26 सितम्बर से 5 अक्टूबर तक जिले के समस्त 2400 आंगनवाड़ी केन्द्रों में आंगन मिलन सेवा का आयोजन किया जा रहा है। अभियान की थीम सेवा, पोषण और सम्मान का राष्ट्रीय संकल्प है। अभियान का उद्देश्य आंगनवाड़ी केन्द्रों को सेवा, पोषण, सीखने, सहभागिता एवं सम्मान के उत्सव के रूप में सक्रिय करना तथा स्थानीय सेवाओं को विकसित भारत के राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ना है। अभियान के प्रथम चरण में 685 चयनित आंगनवाड़ी केन्द्रों पर तीन दिवसीय विशेष कार्यक्रम प्रारंभ



किए गए। प्रथम दिवस 26 सितम्बर को बाल स्वास्थ्य एवं आनंदमयी गतिविधियाँ आयोजित की गई। कार्यक्रम की शुरुआत मुनगा/सुरजना पौधों के रोपण एवं स्वच्छता अभियान से हुई। इसके बाद 3 से 6 वर्ष के बच्चों की आनंदमयी गतिविधियाँ, माननीय प्रधानमंत्री जी एवं माननीय मुख्यमंत्री जी के पत्रों का वाचन, माताओं से संवाद, बच्चों का

स्वास्थ्य परीक्षण एवं पौष्टिक भोजन वितरण किया गया। साथ ही आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका एवं आशा कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया। कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों की सक्रिय सहभागिता रही। गोगेव-2 में मनगवाँ विधायक इंजी. नरेन्द्र प्रजापति तथा रीवा शहर के आंगनवाड़ी कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष श्री वीरेन्द्र गुप्ता एवं पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती विभा पटेल शामिल हुईं। जिले के अन्य केन्द्रों पर भी पंच, सरपंच, पार्षद एवं नगर परिषद अध्यक्ष सहित स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने सहभागिता की।

नर्सिंग परीक्षा परिणाम घोषित होने पर विद्यार्थियों ने उप मुख्यमंत्री का जताया आभार

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल के रीवा निवास पहुंचकर नर्सिंग के विद्यार्थियों ने आभार व्यक्त किया। मध्यप्रदेश के नर्सिंग विद्यार्थियों के लंबे समय से लंबित परीक्षा परिणाम घोषित होने पर विद्यार्थियों तथा प्राइवेट नर्सिंग कॉलेज एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने उप मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। प्राइवेट नर्सिंग कॉलेज एसोसिएशन के सदस्यों विनय शुक्ला, डॉ सुमन सिंह परिहार, डॉ जी.एल. पटेल एवं अन्य संचालकगण के नेतृत्व में



नर्सिंग विद्यार्थियों ने उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल से भेंट कर लंबित परीक्षा परिणाम घोषित करवाने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। विद्यार्थियों

ने कहा कि परिणाम लंबित होने के कारण उन्हें आगे की पढ़ाई, प्रवेश एवं भविष्य की योजनाओं को लेकर काफी कठिनाइयों का सामना

करना पड़ रहा था। उप मुख्यमंत्री के प्रयासों से लंबित परिणाम जारी होने के बाद विद्यार्थियों में खुशी का माहौल है। नर्सिंग छात्रों ने उप मुख्यमंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि परिणाम घोषित होने से हजारों विद्यार्थियों को राहत मिली है तथा उनकी आगे की शिक्षा एवं करियर का मार्ग प्रशस्त हुआ है। प्राइवेट नर्सिंग कॉलेज एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ प्रणीत जैन ने कहा कि नर्सिंग विद्यार्थियों के हित में परिणाम घोषित करवाने के लिए उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल

द्वारा किए गए प्रयास सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़े विषयों पर शासन द्वारा संवेदनशीलता के साथ निर्णय लिया जाना स्वागत योग्य है। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने नर्सिंग छात्रों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अस्पतालों में दवा और तकनीक से इलाज तो होता है, लेकिन मरीज को जल्दी स्वस्थ करने में नर्सों की आत्मीय सेवा और देखभाल सबसे बड़ा संबल बनती है।

विधायक और कलेक्टर ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को किया सम्मानित



रीवा। सेवा संकल्प अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रम 17 अक्टूबर तक जिले भर में आयोजित किए जा रहे हैं। अभियान के तहत महिला एवं बाल विकास द्वारा 26 सितम्बर से 5 अक्टूबर तक आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इसके तहत नगर परिषद गुदु में आयोजित जन विश्वास शिविर में विधायक गुदु श्री नागेन्द्र सिंह तथा कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने 6 आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को

शॉल-श्रीफल देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अर्चना सिंह, एसडीएम गुदु सुधाकर सिंह बघेल तथा अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इस संबंध में जिला कार्यक्रम अधिकारी नयन सिंह ने बताया कि शासन के निर्देशों के अनुरूप जिले के सभ आंगनवाड़ी केन्द्रों में 26 सितम्बर से आंगन मिलन कार्यक्रम आरंभ हो गया है। गुदु में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता सविता गुप्ता ग्राम गुदुवा, यशोदा उपाध्याय गुदु वार्ड क्रमांक 5, प्रभा पाण्डेय गुदुवा, प्रभा पटेल वार्ड क्रमांक 15 निर्मला शर्मा वार्ड क्रमांक एक तथा आंगनवाड़ी सहायिका रश्मिता मिश्रा वार्ड क्रमांक 4 को सम्मानित किया गया।

विधिक साक्षरता शिविर में ग्रामीणों को बताए कानूनी अधिकार

रीवा पेंन्टियम पॉइंट कॉलेज ऑफ लॉ एवं पेंन्टियम पॉइंट टेक्निकल कॉलेज के विधि विभाग के छात्र-छात्राओं द्वारा बार कार्डसिल आफ इंडिया की मार्गदर्शिका 2008 के अनुसार ग्राम पंचायत धौचट में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य नागरिकों को उनके संवैधानिक, विधिक अधिकारों एवं सामाजिक दायित्वों के प्रति जागरूक करना रहा। शिविर के दौरान विधि विभाग के छात्र-छात्राओं ने ग्रामीणों को महिला सशक्तीकरण, वृद्ध माता-पिता के भरण-पोषण, महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सहायता से संबंधित विभिन्न कानूनी प्रावधानों की जानकारी सरल भाषा में दी। इसके साथ ही ग्रामीणों की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए उपलब्ध कानूनी उपायों एवं सहायता के संबंध में भी जानकारी प्रदान की गई, जिसमें महाविद्यालय के विधि विभाग के प्राध्यापकों द्वारा उनकी सहायता की गई। छात्र-छात्राओं ने विभिन्न उदाहरणों एवं संवाद के माध्यम से ग्रामीणों को बताया कि प्रत्येक व्यक्ति को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहना चाहिए तथा आवश्यकता पड़ने पर उपलब्ध कानूनी सहायता का उपयोग



करना चाहिए। इस अवसर पर विधि विभाग के विद्यार्थियों द्वारा नुक्रड़ नाटक भी प्रस्तुत किया गया, जिसमें वृद्ध माता-पिता की सेवा, देखरेख एवं उनके भरण-पोषण से संबंधित महत्वपूर्ण

संदेश दिया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत धौचट की सरपंच श्रीमती संध्या दाहिया एवं पंचायत सचिव श्रीमती रीना मिश्रा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

ग्रामीणों ने विधिक साक्षरता शिविर के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में कानून के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिविर के सफल आयोजन पर पेंन्टियम पॉइंट ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के मुख्य प्रबंध संचालक श्री बी.एन. त्रिपाठी जी ने विधि विभाग के प्राचार्य, प्राध्यापकों एवं छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि पेंन्टियम पॉइंट संस्थान द्वारा लंबे समय से इस प्रकार के सामाजिक एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहे हैं। ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को वास्तविक जीवन

विधिक समस्याओं को समझने के साथ-साथ उनमें सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह विधिक साक्षरता शिविर महाविद्यालय के कार्यकारी संचालक श्री यशवर्धन त्रिपाठी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पेंन्टियम प्वाइंट ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस के शैक्षणिक संचालक डॉ एस के त्रिपाठी, पेंन्टियम प्वाइंट कालेज आफ लॉ के प्राचार्य श्री के.डी. द्विवेदी सहित सहायक प्राध्यापक दीप्ति सिंह, जयेंद्र द्विवेदी, दिव्या पाण्डेय, अखिलेश सिंह, अनु मांझी एवं ग्रंथपाल मनोज दुबे तथा देवमणि मिश्रा सहित अन्य छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।